आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 231 | उज्जैन, शुक्रवार 11 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

महर्षि सांदीपनि की शिक्षा से भगवान श्रीकृष्ण को जगद्गुरु की मिली उपाधि-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महर्षि सांदीपनि आश्रम पहुंचकर की पूजा-अर्चना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुरू महर्षि सांदीपनि द्वारा प्रदान की गई विद्या से ही भगवान श्रीकृष्ण को विश्व-गुरू की उपाधि मिली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को गुरु पूर्णिमा पर उज्जैन के महर्षि सांदीपनि आश्रम पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के गुरु महर्षि सांदीपनि के दर्शन किये और पूजन-अर्चन कर आरती की। पंडित राजेश जोशी ने पूजा अर्चना संपन्न करवायी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अति प्राचीन श्री कुंडेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन भी किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे पिछले कई वर्षों से लगातार गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सांदीपनि आश्रम आकर दर्शन और पूजा अर्चना करते हैं। महर्षि सांदीपनि आश्रम का अतीत अत्यंत गौरवशाली और अद्वितीय रहा है। आज से लगभग 5000 वर्ष पहले भगवान श्रीकृष्ण, श्री सुदामा और श्री बलराम ने यहां आकर महर्षि सांदीपनि से विद्या ग्रहण की थी। भगवान श्रीकृष्ण ने यहां उनके गुरु महर्षि सांदीपनि व्यास से बहुत कम दिनों में 14 विद्या और 64 कलाओं का अध्ययन किया था। एक विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास कैसे हो सकता है, इसका इतिहास इसी सांदीपनि आश्रम में रचा गया था। महर्षि सांदीपनि के द्वारा प्रदान की गई विद्या से ही भगवान श्रीकृष्ण को विश्व गुरु की उपाधि मिली। वर्तमान में भारत फिर अपने गौरवशाली अतीत को प्राप्त कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी ओर से सभी को गुरु पूर्णिमा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री संजय अग्रवाल, श्री राजपाल सिंह सिसोदिया सहित अधिकारी और नागरिक मौजूद रहे।

महर्षि सांदीपनि व्यास के वंशज और मंदिर के पुजारी परिवार के सदस्यों ने जानकारी दी कि प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आश्रम में विशेष आयोजन किया जाता है। सांदीपनि आश्रम में प्रातः विशेष पूजन अर्चन और पंचामृत अभिषेक किया गया। साथ ही प्रथम बार शिक्षा प्रारंभ करने वाले विद्यार्थियों के द्वारा यहां पर स्लेट की पूजा की गई।

आईपीएल टिकट स्कैम में हैदराबाद क्रिकेट संघ का अध्यक्ष समेत 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना सीआईडी ने एक सनसनीखेज कार्रवाई में हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के अध्यक्ष ए. जगन मोहन राव और चार अन्य लोगों को पैसों की हेराफेरी और कुप्रबंधन के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सनराइजर्स हैदराबाद की शिकायत के बाद हुई, जिसमें एचसीए पर गंभीर आरोप लगाए गए थे।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार लोगों में एचसीए के कोषाध्यक्ष सी. श्रीनिवास राव, सीईओ सुनील कांते और दो अन्य शामिल हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, पांच लोगों को धन की हेराफेरी, कुप्रबंधन और अन्य आरोपों में गिरफ्तार किया गया है।

सनराइजर्स हैदराबाद के आरोप पर एचसीए की सफाई- सनराइजर्स हैदराबाद ने 2025 आईपीएल सीजन के दौरान एचसीए पर गंभीर आरोप लगाए। फ्रेंचाइजी ने बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल को लिखे पत्र में कहा कि एचसीए उनसे धमकी देकर ज्यादा मुफ्त टिकट्स की मांग कर रहा है। फ्रेंचाइजी ने यह भी चेतावनी दी कि अगर यह सिलसिला जारी रहा तो वह अपने होम मैच किसी और राज्य में ले जा सकती है। हालांकि, एचसीए अध्यक्ष जगन मोहन राव ने इन आरोप को सिरे से खारिज किया है।

ये काम चुनाव आयोग का नहीं... बिहार वोटर वेरिफिकेशन पर सुप्रीम कोर्ट से बोले कपिल सिब्बल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में वोटर लिस्ट विशेष पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। 9 जुलाई को विपक्षी पार्टियों ने इसे लेकर पटना में जोरदार प्रदर्शन भी किया। हालांकि, अब मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में शुरू हो गई है।

10 जुलाई को सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग के वकील ने कोर्ट से कहा कि अभी तक सभी याचिकाओं की कॉपी नहीं मिली है, इसलिए पक्ष स्पष्ट रूप से रख पाना मुश्किल हो रहा है।

याचिकाकर्ताओं के वकील ने क्या कहा- याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि वोटर लिस्ट रिवीजन का प्रावधान कानून में मौजूद है और यह प्रक्रिया संक्षिप्त रूप में या फिर पूरी लिस्ट को नए सिरे से तैयार करके भी हो सकती है। उन्होंने चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए कहा, अब इन्होंने एक नया शब्द गढ़ लिया है स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन। आयोग यह कह रहा है कि 2003 में भी ऐसा किया गया था, लेकिन तब मतदाताओं की संख्या काफी कम थी। अब बिहार में 7 करोड़ से ज्यादा वोटर हैं और पूरी प्रक्रिया को बहुत तेजी से अंजाम दिया जा रहा है।

ब्रह्मोस के बाद होगा एक और ब्रह्मास्त्र! क्या है LORA जिसे इजरायल से खरीदने का प्लान कर रहा भारत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु सेना इजरायल की एयर लॉन्च्ड लॉन्ग रेंज आर्टिलरी मिसाइल खरीदने की प्लानिंग कर रही है। एयर LORA इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज द्वारा डिजाइन क्वासी बैलिस्टिक मिसाइल है, जो 400 से 430 किलोमीटर के लक्ष्य को भेदने में कारगर है। वैसे तो भारत के पास पहले से ही सुपरसोनिक ब्रह्मोस एयर-लॉन्च्ड मिसाइल है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय वायुसेना द्वारा रैम्पेज मिसाइलों की सफल तैनाती के बाद दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम को भेदने में सक्षम एडवांस स्टैंड ऑफ हथियारों की जरूरत महसूस हुई।

अति आधुनिक मिसाइल है एयर LORA- एयर LORA सिर्फ एक मिसाइल नहीं है, बल्कि ये तकनीक और हवा से लॉन्च कर सटीक निशाना लगाने का अनूठा संगम है। ये ट्रेडिशनल बैलिस्टिक मिसाइल की तुलना में डिप्रेस्ड प्रक्षेप पथ पर चलती है और इसी कारण इसे रोकना अत्यधिक कठिन हो जाता है।

इसकी सबसे खास विशेषता फायर एंड फॉरगेट तकनीक है, जो पायलट को लॉन्च के तुरंत बाद डिसइंगेज करने में मदद करता है। इस मिसाइल से बीच रास्ते में भी टारगेट बदला जा सकता है और डायनमिक कॉम्बैट स्थिति में इसका फायदा मिलता है।

मैक 5 की रफ्तार से चल सकती है मिसाइल- LORA मैक 5 की रफ्तार से चल सकती है और इसका सर्कुलर एरर 10 मीटर से भी कम है। यह अपने साथ 570 किलोग्राम तक वारहेड ले जा सकती है। मिसाइल का वजन 1600 किलोग्राम और लंबाई 5.2 मीटर है। मिसाइल का नेविगेशन सिस्टम जीपीएस और आईएनएस के कॉम्बिनेशन पर आधारित है।

सुनीता विलियम्स की तरह अंतरिक्ष में फंसे रह सकते हैं शुभांशु शुक्ला ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 14 दिन गुजारने के बाद Axiom-4 मिशन के क्रू को अब कुछ और दिन धरती से दूर रहना पड़ेगा। यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने साफ किया है कि मिशन कमांडर पैगी व्हिटसन, मिशन पायलट ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और मिशन स्पेशलिस्ट स्लावोश उज्नांस्की-विस्निएव्स्की और टिबोर कपु की धरती पर वापसी अब 14 जुलाई से पहले नहीं होगी।

यह क्रू 27 जून से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर वैज्ञानिक प्रयोग कर रहा है और तय योजना के मुताबिक 14 दिन बाद यानी 10 जुलाई को वापसी होनी थी। लेकिन मौसम की खराबी और ढ्रूस्र की तकनीकी दिक्कतों ने इस इंतजार को थोड़ा और लंबा कर दिया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अभी तक वापसी की तारीख पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया। मौसम और तकनीकी चुनौतियों की वजह से टाली जा रही वापसी

Axiom-4 का चालक दल SpaceX के ड्रैगन कैप्सूल 'ग्रेस' में सवार होकर धरती पर लौटेगा। यह कैप्सूल फ्लोरिडा के तट के पास अटलांटिक महासागर या मैक्सिको की खाड़ी में सॉफ्ट स्प्लैशडाउन करेगा। लेकिन अगर इस इलाके में तेज हवाएं, बारिश या तूफान जैसी मौसमी दिक्कतें हों, तो स्प्लैशडाउन को टालना पड़ता है। ESA और नासा ने बताया कि मौसम की खराबी के चलते वापसी को 14 जुलाई तक टाला जा सकता है।

तमिलनाडु हादसे के बाद एक्शन में रेलवे, CCTV और सोलर बैकअप से लैस होंगे फाटक

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ था, जिसमें एक स्कूल वैन की ट्रेन से टक्कर हो गई थी। इस दर्दनाक हादसे में तीन बच्चों की मौत हो गई थी और 6 बच्चे घायल हो गए थे।

यह हादसा रेलवे क्रॉसिंग पर हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब ट्रेन आई उस वक्त फाटक खुला हुआ था। इस हादसे को लेकर ऑपरेशनल लापरवाही के आरोप लगे हैं। इस हादसे के एक दिन बाद रेलवे ने तत्काल प्रभाव से 11 बड़े सुरक्षा उपायों की घोषणा की है।

परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा! भारतीय सेना में शामिल होगी स्वदेशी ATAGS तोप, दुश्मनों की हालत करेगी खराब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना को और ताकतवर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए स्वदेशी तकनीक से बना एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम पुरानी और छोटी तोपों की जगह लेने जा रहा है।

रक्षा मंत्रालय ने इसे एक शानदार मिशन मोड कामयाबी करार दिया है। यह तोप न सिर्फ सेना की ताकत बढ़ाएगी, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सपने को भी हकीकत में बदल रही है। 48 किलोमीटर तक मार करने वाली यह तोप देश की रक्षा में नया अध्याय लिखेगी।

ATAGS को डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन के पुणे स्थित आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट ने डिजाइन किया है।

रक्षा मंत्रालय ने अपने X अकाउंट पर एक वीडियो शेयर करते हुए ATAGS की तारीफ की और बताया कि यह प्रोजेक्ट 2012 में शुरू हुआ था।‹ऋष्ठश्च के डायरेक्टर ए. राजू ने कहा, महज 12 साल में हमने डिज़ाइन से लेकर टेस्टिंग और इंडक्शन तक का सफर पूरा कर लिया।

आधुनिक तकनीक, बेमिसाल ताकत से लैस ATAGS- ATAGS की खासियत इसकी आधुनिक तकनीक है, जो इसे बेहद खास बनाती है। इसमें ऑल-इलेक्ट्रिक ड्राइव सिस्टम है। इसकी मदद से तोप को चलाने और गोला-बारूद संभालने में मदद करता है। यह सिस्टम पहाड़ों और रेगिस्तानों जैसे मुश्किल इलाकों में भी बिना रुकावट काम करता है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह तोप रखरखाव में भी आसान है। इस वजह सेना को ऑपरेशन में कोई दिक्कत नहीं होगी। ए. राजू ने कहा, "ARDE आत्मनिर्भर भारत के मिशन में अहम रोल अदा कर रहा है।

प्रोजेक्ट की क्या है कीमत- इस प्रोजेक्ट में DRDO, भारतीय सेना, और निजी-पब्लिक क्षेत्र की कंपनियों ने मिलकर काम किया है। यह एकता और मेहनत ही ATAGS को इतना खास बनाती है। 26 मार्च को रक्षा मंत्रालय ने भारत फोर्ज लिमिटेड और टाटा एडवांस्ड सिस्टम लिमिटेड के साथ 155mm/52 कैलिबर ATAGS और हाई मोबिलिटी व्हीकल 6×6 गन टोइंग व्हीकल्स के लिए करार किया था।

इसकी कुल कीमत करीब 6,900 करोड़ रुपये है। ये तोपें पुरानी और छोटी तोपों की जगह लेंगी और सेना की मारक क्षमता को कई गुना बढ़ाएंगी।

307 ATAGS की डिलीवरी अगले पांच साल में पूरी होने की उम्मीद है। रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, "ATAGS भारतीय सेना के तोपखाने के आधुनिकीकरण का नेतृत्व कर रहा है।

क्या वाकई ट्रंप को मिल सकता है शांति का नोबेल: कौन कर सकता है नामित, कैसे होता है विजेता का चयन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के बाद अब इजरायल ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार देने की सिफारिश की है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करने वाला पत्र व्हाइट हाउस में रात्रि भोज के समय ट्रंप को सौंपा।

नेतन्याहू ने ट्रंप से कहा, मैं आपको यह पत्र दिखाना चाहता हूं, जिसे मैंने नोबेल पुरस्कार कमेटी को भेजकर आपको नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया है। आप इसके वास्तविक हकदार हैं। आपको नोबेल मिलना ही चाहिए।

इजरायली पीएम ने ट्रंप को शांति का नोबेल दिए जाने की सिफारिश इजरायल-ईरान संघर्ष में अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रयासों के मद्देनजर की है। इससे पहले, 21 जून को पाकिस्तान सरकार ने भी ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार देने की सिफारिश की थी।

पाकिस्तान सरकार ने कहा था, राष्ट्रपति ट्रंप ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों से बातचीत कर सीजफायर में अहम भूमिका निभाई, जिससे दो न्यूक्लियर ताकत वाले देशों के बीच युद्ध की आशंका टल गई। ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार दिया जाना चाहिए

इस पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था, मैंने कई देशों के बीच जंग रुकवाई और इसके लिए मुझे नोबेल मिलना चाहिए। मुझे 4-5 बार नोबेल शांति पुरस्कार मिलने चाहिए थे, लेकिन वे मुझे यह पुरस्कार नहीं देंगे, क्योंकि वे इसे केवल लिबरल्स को देते हैं।

नोबेल शांति पुरस्कार क्यों और कब दिया जाता है- नोबेल शांति पुरस्कार विश्व का सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। यह हर साल 10 दिसंबर को ओस्लो (नॉर्वे) में दिया जाता है। यह उस शख्स या संस्था को दिया जाता है, जिसने राष्ट्रों के बीच भाईचारा बढ़ाने, युद्ध रोकने और शांति स्थापना में अहम भूमिका निभाई हो।

अब ब्राजील पर गिरा ट्रंप का टैरिफ बम, लगाया 50% शुल्क; राष्ट्रपति सिल्वा बोले- जल्द करेंगे पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक साथ कई देशों पर भारी टैरिफ लगाने का एलान किया था। ट्रंप ने अन्य देशों के साथ ही ब्राजील पर 50 प्रतिशत का सीधा टैरिफ थोपते हुए इसे अब तक की सबसे सख्त कार्रवाई बताया।

ट्रंप ने सबसे पहले अल्जीरिया, इराक, लीबिया, श्रीलंका, ब्रुनेई, मोल्दोवा और फिलीपींस पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। ये सभी शुल्क 1 अगस्त से लागू होंगे। ट्रंप द्वारा भारी टैरिफ लगाने के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति ने भी अपना रिएक्शन दिया है।

ब्राजील की प्रतिक्रिया- ट्रंप द्वारा 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के कुछ ही घंटों के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने इस फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है और अमेरिका को आर्थिक जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

सिल्वा ने कहा कि अगर अमेरिका ने ब्राजील पर एकतरफा तौर पर टैरिफ बढ़ाया तो ब्राजील भी उसी स्तर पर जवाबी कदम उठाएगा। ट्रंप ने यह फैसला ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो के साथ हो रहे व्यवहार के संदर्भ में लिया बताया है। बता दें, बोलसोनारो इस समय तख्तापलट की साजिश रचने के आरोपों में मुकदमा का सामना कर रहे हैं।

सिल्वा के ऑफिस से आया तीखा बयान- राष्ट्रपति सिल्वा के ऑफिस ने टैरिफ के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बयान जारी कर कहा, अगर कोई देश एकतरफा तौर पर टैरिफ बढ़ाता है को ब्राजील उसकी प्रतिक्रिया आर्थिक पारस्परिकता कानून के तहत देगा।÷

पूरी तरह कंगाल हुई पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस, पाक सरकार ने बेचने के प्रयास किए तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने 2025 के अंत तक पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआइए) को बेचने के प्रयास तेज कर दिए हैं। पीआइए घाटे में चल रही है। सार्वजनिक क्षेत्र की विमानन कंपनी को पिछले साल बेचने की सरकार की कोशिश विफल रही थी।

कई कंपनियां खरीदने की दौड़ में- समाचार पत्र एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, निजीकरण आयोग बोर्ड ने मंगलवार को चार स्थानीय कंपनियों को विमानन कंपनी के अधिग्रहण के लिए बोली लगाने के योग्य घोषित किया। इनमें से तीन कंपनी सीमेंट कारोबार से जुड़ी हुई हैं। पीआइए कई वर्ष से वित्तीय संकट से जूझ रही है

सरकार ने अपने पिछले प्रयास में, 45 अरब रुपये की निगेटिव बैलेंस शीट के साथ न्यूनतम मूल्य 85.03 अरब रुपये निर्धारित किया था। हालांकि, उसे केवल 10 अरब रुपये का प्रस्ताव ही मिला था। पीआइए कई वर्ष से वित्तीय संकट से जूझ रही है।

सुरक्षा के चलते पीआईए ने झेला प्रतिबंध- यह समस्या 2023 में तब सामने आई जब पीआइए के 7,000 कर्मचारियों को नवंबर 2023 का वेतन नहीं मिला।

लॉस एंजिलिस में सुरंग का एक हिस्सा ढहा, सभी 31 श्रमिक सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में बुधवार शाम को विशाल औद्योगिक सुरंग के एक हिस्से के ढह गया। हालांकि, 31 निर्माण श्रमिक सुरक्षित बाहर निकल आए। सुरंग बोरिंग मशीन से आठ किलोमीटर अंदर का हिस्सा ढहा था। श्रमिक लगभग 121 मीटर गहराई पर थे।

अधिकारियों ने कहा कि वे अब भी घटना के कारण की जांच कर रहे हैं। श्रमिकों ने सुरंग के एक हिस्से के ढहने के बाद 19.3 मीटर ऊंचे मिट्टी के ढेर पर चढ़कर सुरंग बोरिंग मशीन तक पहुंचे। बाद में उन्हें सुरंग के मुहाने पर वापस लाया गया। अधिकारियों ने कहा कि बचाए गए श्रमिकों में से किसी को भी गंभीर चोटें नहीं आईं।

श्रमिकों की शांति बनाए रखने की हुई प्रशंसा- लॉस एंजिलिस सिटी काउंसिल के सदस्य टिम मैकआस्कर ने श्रमिकों की शांति बनाए रखने की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह एक अत्यधिक तकनीकी और कठिन प्रोजेक्ट है। उन्हें पता था कि क्या करना है। उन्होंने खुद को सुरक्षित करने का तरीका जान लिया था।

NASA से 2000 हजार लोगों की होगी छुट्टी! ट्रंप ने बजट में की बड़ी कटौती; कर्मचारियों को ऑफर किया रिटायरमेंट प्लान

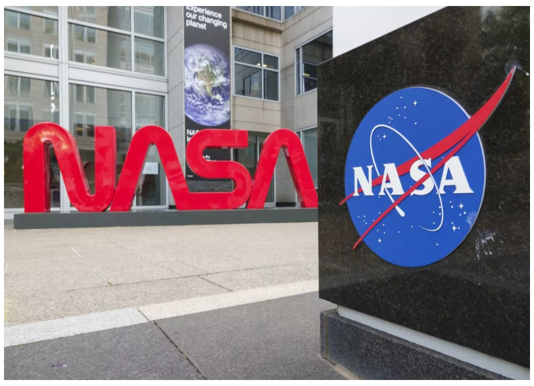

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी स्पेस एजेंसी NASA इन दिनों एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। खबर है कि नासा अपने करीब 2145 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाने की तैयारी कर रही है।

अमेरिकी मीडिया आउटलेट पॉलिटिको ने इस बारे में जानकारी दी है। बताया गया है कि कर्मचारियों की छंटनी बजट में कटौती और एजेंसी के काम को ज्यादा प्राथमिकता देने की योजना का हिस्सा है।

NASA के इस फैसले से वैज्ञानिक ढांचे पर बड़ा असर पड़ने की उम्मीद जताई जा रही है। Politico की रिपोर्ट के मुताबिक, जो कर्मचारी निकाले जा रहे हैं वे ज्यादातर GS-13 से GS-15 ग्रेड के हैं, जो अमेरिका की सरकारी सेवा में वरिष्ठ पद माने जाते हैं।

ट्रंप के फैसलों से NASA पर पड़ा असर- NASA की प्रवक्ता बेथनी स्टीवंस ने रॉयटर्स को बताया, हम अपने मिशन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, लेकिन अब हमें सीमित बजट में प्राथमिकताएं तय करनी होगी।

बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में NASA और अमेरिका की अंतरिक्ष नीति में कई बदलाव हुए हैं। NASA के 18 हजार कर्मचारियों की टीम पर भी इसका असर पड़ा है।

ट्रंप-मस्क के बीच बढ़ी दूरी- ट्रंप ने NASA के नए एडमिनिस्ट्रेटर के तौर पर बिलियनर और स्पेसएक्स के समर्थक जारेड आइजैकमैन को नामित किया था। लेकिन ट्रंप और एलन मस्क के बीच आई दूरियों के बाद व्हाइट हाउस ने आइजैकमैन का नाम हटा दिया, जिससे यह नियुक्ति टल गई

2 दिनों में मिला थोड़ा-सा खाना और एक बोतल पानी, रूस घुमने गए भारतीय पर्यटक ने बताई डरावनी बात; कहा- बिना वजह किया डिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस की राजधानी मॉस्को पहुंचे भारतीय पर्यटकों के एक समूह ने वहां की इमिग्रेशन प्रक्रिया और बर्ताव को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। टूरिस्ट अमित तनवर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपना अनुभव साझा किया है।

उन्होंने बताया कि कैसे 9 भारतीयों को बिना किसी स्पष्ट कारण के हिरासत में लिया गया और बाद में डिपोर्ट कर दिया गया। अमित ने इंस्टाग्राम पर अपनी बात रखते हुए बताया कि वह कुल 12 लोगों के समूह के साथ 8 जुलाई को मॉस्को पहुंचे थे।

9 लोगों को रोका गया- उन्होंने बताया कि सभी के पास वैध दस्तावेज थे, लेकिन फिर भी इमिग्रेशन प्रक्रिया के दौरान सिर्फ तीन लोगों को ही आगे बढ़ने दिया गया। बाकी 9 लोगों को रोक लिया गया और वो भी बिना किसी वैध कारण के।

अमित ने बताया कि सभी 9 लोगों के पासपोर्ट ले लिए गए और उन्हें एअरपोर्ट के एक कोने में बैठा दिया गया, जहां पहले से ही कई भारतीय मौजूद थे। करीब एक घंटे के बाद उन्हें एक अलग कमरे में ले जाया गया।

कई चीजों की हुई जांच- अमित तनवर के अनुसार, उस कमरे में रूसी अधिकारियों ने उनके मोबाइल फोन, फोटो गैलरी, गूगल सर्च हिस्ट्री और यूट्यूब एक्टिविटी की जांच की।

इसके साथ उनके ट्रैवल के शिड्यूल और नकदी की भी तलाशी ली गई। इसके बाद उन्हें बताया गया कि उन्हें डिपोर्ट किया जा रहा है, लेकिन क्यों किया जा रहा है इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई।

हमास ने 10 बंधकों को रिहा करने पर जताई सहमति, इजरायल के गाजा में आतंकी ठिकानों पर हमले जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हमास ने बुधवार को कहा कि उसने गाजा में संघर्ष विराम तक पहुंचने के लिए चल रहे प्रयासों के तहत 10 बंधकों को रिहा करने पर सहमति जताई है। समूह ने कहा कि संघर्ष विराम के लिए चल रही वार्ताएं इजरायल के अड़यल रुख के कारण कठिन हैं।

फलस्तीनी समूह ने कहा कि चल रही संघर्ष विराम वार्ताओं में कई अड़चनें हैं, जिनमें सहायता का प्रवाह, गाजा पट्टी से इजरायली बलों की वापसी, और स्थायी संघर्ष विराम के लिए वास्तविक गारंटी शामिल हैं।

गाजा में 100 से अधिक आतंकी लक्ष्यों पर हमला- तेल अवीव से एएनआइ की खबर के अनुसार इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में अपनी गतिविधियों को जारी रखते हुए, पिछले 24 घंटों में 100 से अधिक आतंकी लक्ष्यों पर हवाई हमले किए। इजराइल रक्षा बलों ने बुधवार को बताया कि उत्तर गाजा के शजाया और जैतून क्षेत्रों में, सैनिकों ने एक नागरिक भवन के अंदर छिपाए गए विस्फोटकों और बारूदी सुरंगों का एक भंडार खोजा और नष्ट किया। इजराइली सैनिकों ने हमास के हथियारों के डिपो पर हमला किया

सेंट्रल गाजा के दाराज तुफ्फा क्षेत्र में, इजराइली सैनिकों ने हमास के हथियारों के डिपो पर हमला किया। दक्षिण में सैनिकों ने एक आतंकी सेल को समाप्त किया जबकि रफा के जिनीना में कई सुरंगों के शाफ्ट और अन्य बुनियादी ढांचे को खोजा और नष्ट किया।

आधार, वोटर आईडी और राशन कार्ड पर करें विचार, मतदाता सूची रिवीजन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में चल रहा मतदाता सूची सघन पुनरीक्षण अभियान जारी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक नहीं लगाई है। कोर्ट ने माना कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची का सघन पुनरीक्षण करने का संवैधानिक अधिकार है। हालांकि कोर्ट ने चल रही प्रक्रिया के समय को लेकर गुरुवार को सवाल उठाया।

कोर्ट ने कहा कि यह मसला लोकतंत्र के मूल और मतदान के अधिकार से जुड़ा हुआ है। वोटर लिस्ट में शामिल होने के लिए निर्धारित 11 दस्तावेजों की सूची को लेकर भी कोर्ट ने चुनाव आयोग से प्रश्न किये और उन दस्तावेजों में आधार कार्ड व चुनाव आयोग द्वारा जारी मतदाता पहचान पत्र को न शामिल किये जाने पर सवाल पूछा।

28 जुलाई को फिर सुनवाई होगी- कोर्ट ने अंतरिम आदेश में चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि वह वोटर लिस्ट में शामिल होने के लिए दिए जाने वाले दस्तावेजों में आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड पर भी विचार करे।

राहुल गांधी पर गलत टिप्पणी, वोटर्स को कहा प्रॉस्टिट्यूट... विधायक संजय गायकवाड़ का विवादों से रहा पुराना नाता

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बुलढाना से शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ एक बार फिर सुर्खियों में हैं। लेकिन इस बार भी इसकी वजह उनका गुस्सा और विवादित बयानबाजी है। मुंबई के चर्चगेट की एक कैंटीन में बासी और खराब खाने पर गायकवाड़ का गुस्सा फूट पड़ा।

उन्होंने कर्मचारी को थप्पड़ जड़ दिया और उसे इतना मारा कि वह जमीन पर गिर पड़ा। यह वीडियो वायरल हो गया और गायकवाड़ की किरकिरी शुरू हो गई। इससे पहले भी वह राहुल गांधी की जीभ काटने की धमकी और वोटरों को प्रॉस्टिट्यूट से तुलना कर चुके हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्होंने एक बाघ को मारकर उसका दांत गले में पहना है गायकवाड़ का यह ताजा विवाद कोई नया नहीं है। वह हमेशा अपने बयानों से चर्चा में रहते हैं। बता दें उनके पुराने कारनामे भी कम विवादित नहीं हैं।

प्रॉस्टिट्यूट से की थी वोटरों की तुलना- इस साल विधानसभा चुनाव में जीतने के बाद गायकवाड़ ने वोटरों पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोग शराब, मटन और दो हजार रुपये के लिए अपने वोट बेचते हैं।

ब्रिज को लेकर तीन साल पहले ही की थी शिकायत, वडोदरा पुल हादसे में एक्टिविस्ट का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के वडोदरा में महिसागर नदी पर बना पुल ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। अब इस मामले में सरकारी लापरवाही का एंगल सामने आ रहा है। एक एक्टिविस्ट ने दावा किया है कि उसने तीन साल पहले अधिकारियों को पुल की खतरनाक स्थिति के बारे में अवगत कराया था, लेकिन उसकी बात अनसुनी कर दी गई।

युवा सेना नामक एक संगठन चलाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता लखन दरबार ने आरोप लगाया कि जब अगस्त 2022 में उसने सरकारी अधिकारियों के सामने मुद्दा उठाया था, तब ही अगर कार्रवाई की गई होती, तो यह हादसा न होता। इस बीच लखन दरबार और अधिकारी के बीच बातचीत का एक ऑडियो क्लिप भी वायरल हो रहा है।

ऑडियो क्लिप हुआ वायरल- इस वायरल ऑडियो क्लिप में लखन आग्रह कर रहे हैं कि पुल की मरम्मत की जाए या नया पुल बनाया जाए। वडोदरा जिला पंचायत सदस्य हर्षद सिंह परमार ने भी पत्र लिखकर पुल की हालत पर चिंता दताई थी। ऑडियो क्लिप में अधिकारी ये स्वीकार करते हुए सुने जा सकते हैं कि पुल ज्यादा समय तक नहीं टिक पाएगा।

महाराष्ट्र के इस जिले में 14 हजार से अधिक महिलाओं में मिले कैंसर के लक्षण, स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में संजीवनी योजना के तहत स्क्रीनिंग के दौरान 14,500 से अधिक महिलाओं में कैंसर जैसे लक्षण पाए गए हैं। इस योजना के तहत 8 मार्च से अभी तक कुल 2.9 लाख महिलाओं का सर्वे किया गया, जिसमें उन्हें कैंसर के लक्षणों से संबंधित प्रश्नों के जवाब देने थे।

इनमें से 14,542 महिलाओं में कैंसर जैसे लक्षण पाए गए। जब स्क्रीनिंग और टेस्ट किए गए, तो तीन महिलाओं में गर्भाशय का कैंसर, एक में ब्रेस्ट कैंसर और 8 में मुंह के कैंसर का पता चला। यह जानकारी राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर ने गुरुवार को विधानसभा में दी।

जिला कलेक्टर ने चलाया था अभियान- स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि कैंसर का पता लगाने और उनके तत्काल उपचार के लिए हिंगोली जिला कलेक्टर ने अभियान चलाया था। उन्होंने कहा कि कैंसर के निदान के लिए ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य शिविर और स्क्रीनिंग आयोजित की जाती हैं।

हालांकि महिलाओं के लिए अलग से कैंसर हॉस्पिटल स्थापित करने की किसी योजना से मंत्री ने इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं और टाटा मेमोरियल अस्पताल के कैंसर विशेषज्ञ हर महीने दो बार 11 जिला अस्पतालों का दौरा करते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आठ जिला अस्पतालों में डे-केयर कीमोथेरेपी केंद्र शुरू हो चुके हैं और सभी जिलों में इन्हें स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है।

फांसी, गोली या पत्थर... यमन में भारतीय नर्स को कैसे दी जाएगी सजा-ए-मौत? जानकर कांप जाएगी रूह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की रहने वाली निमिषा प्रिया को यमन में 16 जुलाई को मौत की सजा दी जाएगी। निमिषा पर यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या का आरोप है। निमिषा को बचाने के लिए भारत सरकार तमाम कोशिशें कर रही है। सुप्रीम कोर्ट में 14 जुलाई को निमिषा की सजा के खिलाफ दायर की गई याचिका पर सुनवाई होगी।

मौजूदा वक्त में यमन गृहयुद्ध की चपेट में है। वहां, हूती विद्रोहियों और यमन की सरकार के बीच संघर्ष चल रहा है। हालांकि,हूती विद्रोही गुट, देश की बागडोर संभालते हैं। हूती विद्रोहियों के शीर्ष राजनीतिक परिषद ने ही निमिषा के फांसी की मंज़ूरी दी है।

सवाल है कि यमन में मौत की सजा कैसे दी जाती है? क्या वहां भी भारत की तरह फांसी के जरिए दोषी को मौत की सजा दी जाती है?

जवाब है नहीं। दरअसल, यमन में इस समय फांसी की सजा देने का एक ही तरीका है। दोषी को गोली मार देना।

इससे पहले यमन में फांसी देने की प्रक्रिया अलग-अलग थी। जैसे कि पत्थर मारकर दोषी की जान ले ली जाती थी।

दोषी को सरेआम फांसी पर लटकाया जाता था या उसका सिर कलम कर दिया जाता था।

अगर 16 जुलाई को निमिषा को मौत की सजा दी जाती है तो उसकी जान भी गोली मारकर ली जाएगी।

अब यह भी जान लें कि दोषी को गोली कैसे मारी जाती है।

सबसे पहले दोषी के शरीर को कंबल में लपेट दिया जाता है। इसके बाद ऑटोमेटिक राइफल से दोषी की पीठ पर जल्लाद गोलियां चलाता है। पीठ पर कई राउंड फायर करके सजा को अंजाम देता है।

पुनरीक्षण में नागरिकता के मुद्दे को क्यों उठा रहे हैं? वोटर लिस्ट के रिविजन पर रोक लगाने से SC का इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में वोटर लिस्ट विशेष गहन पुनरीक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला आया है। न्यायालय ने कहा कि बिहार में वोटर लिस्ट संशोधन जारी रहेगा और हम संवैधानिक संस्था के काम को नहीं रोक सकते।

टाइमिंग पर भी सवाल उठाए- हालांकि, सुनवाई के दौरान न्यायालय ने चुनाव आयोग से कई सवाल किए। कोर्ट ने इस फैसले की टाइमिंग पर भी सवाल उठाए।

जस्टिस सुधांशु धूलिया और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ताओं से भी सवाल किए। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वकील गोपाल शंकरनारायणन से पीठ ने कहा कि आप खुद बताइए कि चुनाव आयोग जो कर रहा है उसमें गलत क्या है।

याचिकाकर्ताओं ने उठाए ये सवाल

इस पर वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि वोटर लिस्ट रिविजन का प्रावधान कानून में मौजूद है और यह प्रक्रिया संक्षिप्त रूप में या फिर पूरी लिस्ट को नए सिरे से तैयार करके भी हो सकती है।

उन्होंने चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब इन्होंने एक नया शब्द गढ़ लिया है स्पेशल इंटेसिंव रिवीजन।

आयोग यह कह रहा है कि 2003 में भी ऐसा किया गया था, लेकिन तब मतदाताओं की संख्या काफी कम थी। अब बिहार में 7 करोड़ से ज्यादा वोटर हैं और पूरी प्रक्रिया को बहुत तेजी से अंजाम दिया जा रहा है।

कोर्ट ने कहा - हम इसमें नहीं पड़ रहे

वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल एस ने सुनवाई के दौरान कहा कि यह एक राष्ट्रीय अभ्यास है और उन्होंने बिहार से शुरुआत करने का फैसला किया है।

सुप्रीम कोर्ट- हम इसमें नहीं पड़ रहे हैं।

कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछे तीन सवाल

न्यायमूर्ति धूलिया ने कहा कि प्रथम दृष्टया हमारी राय में तीन प्रश्न हैं- चुनाव कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की शक्तियां।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण प्रतिपदा

संपादकीय

व्यक्ति अपने उस राजनीतिक वजन को बढ़ाने व मज़बूत करने विश्व के सबसे बड़े पुरस्कार पाने की जिज्ञासा रखते हैं....

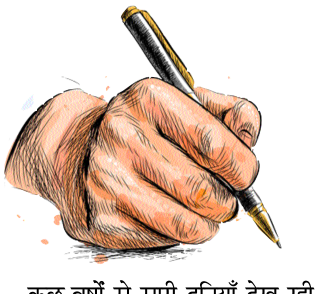

कुछ वर्षों से सारी दुनियाँ देख रही है की विशेष रूप से राजनीतिक वज़न रखने वाले व्यक्ति अपने उस राजनीतिक वजन को बढ़ाने व मज़बूत करने विश्व के सबसे बड़े पुरस्कार पाने की जिज्ञासा रखते हैं, उसके लिए अंदरखाने उठापटक करते हैं,गुणाभाग करते हैं, ताकि वह पुरस्कार उसको मिल जाए, परंतु वे शायद यह भूल जाते हैं कि ऐसे भी कई लोग हैं जिन्होंने उस क्षेत्र में अपना पूरा जीवन, छुपा रुस्तम रहकर नश्वर कर दिया है, परंतु कभी पुरस्कार कि आस नहीं रखी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार पाने वाला व्यक्ति वही होना चाहिए,जिसका टारगेट पुरस्कार नहीं वह संबंधित काम हो, वैचारिकता ऐसी होनी चाहिए कि मैं पुरस्कार के पास नहीं जाऊंगा, पुरस्कार मेरे पास चलकर आएगा,यह बात तब होती है,जब उसका काम बोलता है और पुरस्कार भी उसके पास दौड़े चले आता है।आज हम इस विषय पर चर्चा इसीलिए कर रहे हैं क्योंकि, पिछ्ले कुछ दिनों से अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से जोड़कर जो शांति नोबेल पुरस्कार की चर्चा चल रही है, व अभी पाक के बाद इजरायल ने भी ट्रंप क़ा नॉमिनेशन कर दिया है परंतु दुनियाँ देख रही है, पाक-इजराइल का युद्ध में व्यवहार व दूसरी ओर अभी इज़राइल- हमास रूस-यूक्रेन चरम पर है तो इधर भारत-पाक थाईलैंड-कंबोडिया तनातनी भी बनी हुई है, अभी तक इनके बीच शांति का कोई ठोस आधार नहीं है। चूँकि नोबेल शांति पुरस्कार अभी 2025 का घोषित हुआ ही नहीं है, परंतु 2026 के लिए दावेदारी का कार्ड शुरू हो गया है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,वैश्विक पुरस्कार (नोबेल या कोई भी) पानें का हकदार वही है, जो खुद नहीं उसका काम बोले, उसे मांगना नहीं पड़े उसे देने की मांग उठे,पुरस्कार चलकर उसके पास आए।

साथियों बात अगर हम ट्रंप को संभाव्य नोबेल शांति पुरस्कार 2026 की जोरों पर हो रही चर्चा की करें तो,डायनामाइट के आविष्कारक और स्वीडिश उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत कहती है कि नोबेल का शांति पुरस्कार उस व्यक्ति को दिया जाना चाहिए,जिसने राष्ट्रों के बीच भाईचारे को बढ़ाने, स्थायी सेनाओं को समाप्त करने या कम करने, तथा शांति सम्मेलनों की स्थापना और संवर्धन के लिए सबसे अधिक या सर्वोत्तम कार्य किया हो, इजरायल और पाकिस्तान की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम इस पुरस्कार के लिए भेजे जाने पर सोशल मीडिया में खूब चर्चा हो रही है कि इस पुरस्कार को किसे दिया जाना चाहिए और किसे नहीं।गौरतलब है कि अब तक चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों को यह पुरस्कार मिल चुका है, इनके नाम हैं- थियोडोर रूजवेल्ट, वूड्रो विल्सन, जिमी कार्टर और बराक ओबामा।

अगर ट्रंप को नोबेल पुरस्कार मिलेगा तो वे इससम्मान को पाने वाले 5 वें अमेरिकी राष्ट्रपति होंगे।नोबेल शांति पुरस्कारों को अक्सर राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जाता है, नोबेल पुरस्कार की वेबसाइट का स्वयं मानना है कि कुछशख्सियतें जिन्हें शांति पुरस्कार मिले हैं वे अत्यधिक विवादास्पद राजनीतिक एक्टिविस्ट रहे हैं। इन पुरस्कारों ने अंतरराष्ट्रीय या राष्ट्रीय संघर्षों की ओर जनता का ध्यान भी बढ़ाया है।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ओबामा को प्रेसिडेंट बनने के कुछ महीनों बाद ही यह पुरस्कार मिल गया था, इसपर काफी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थी।1994 में एक सदस्य ने तब पद छोड़ दिया जब फिलिस्तीनी नेता यासर अराफात ने इजरायल के शिमोन पेरेज और यित्जाक राबिन के साथ नोबेल का शांति पुरस्कार साझा किया था।

विश्व जनसंख्या दिवस

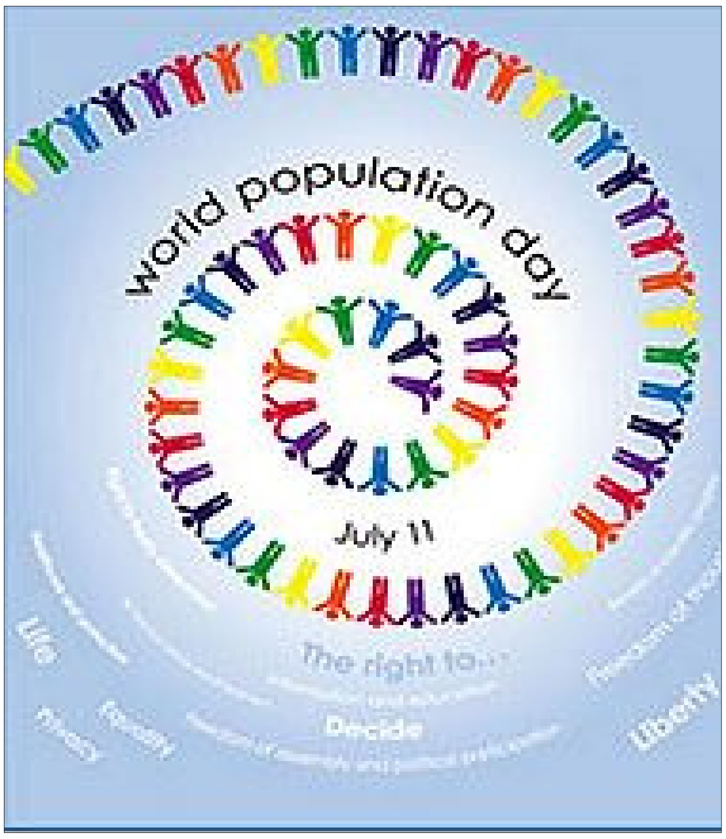

विश्व जनसंख्या दिवस प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को मनाया जाता है। अत्यधिक तेज़ गति से बढ़ती जनसंख्या के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से ही यह दिवस मनाया जाता है। यह जागरूकता मानव समाज की नई पीढ़ियों को बेहतर जीवन देने का संदेश देती है। बच्चों को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, वातावरण सहित अन्य आवश्यक सुविधाएँ भविष्य में देने के लिए छोटे परिवार की महती आवश्यकता निरन्तर बढ़ती जा रही है।

प्राकृतिक संसाधनों का समुचित दोहन कर मानव समाज को सर्वश्रेष्ठ बनाए रखने और हर इंसान के भीतर इन्सानियत को बरकरार रखने के लिए यह बहुत ज़रूरी हो गया है कि विश्व जनसंख्या दिवस की महत्ता को समझा जाए।

शुरुआत- विश्व जनसंख्या दिवस वर्ष 1987 से मनाया जा रहा है। 11 जुलाई, 1987 में विश्व की जनसंख्या 5 अरब को पार कर गई थी। तब संयुक्त राष्ट्र ने जनसंख्या वृद्धि को लेकर दुनिया भर में जागरूकता फैलाने के लिए यह दिवस मनाने का निर्णय लिया। तब से इस विशेष दिन को हर साल एक याद और परिवार नियोजन का संकल्प लेने के दिन के रूप में याद किया जाने लगा। हर राष्ट्र में इस दिन का विशेष महत्व है, क्यूँकि आज दुनिया के हर विकासशील और विकसित दोनों तरह के देश जनसंख्या विस्फोट से चिंतित हैं। विकासशील देश अपनी आबादी और जनसंख्या के बीच तालमेल बैठाने में मथ्थापच्ची कर रहे हैं, तो विकसित देश पलायन और रोजगार की चाह में बाहर से आकर रहने वाले शरणार्थियों की वजह से परेशान हैं।

जनसंख्या विस्फोट- आज विश्व की जनसंख्या लगभग 7 अरब से भी ज़्यादा है। भारत की जनसंख्या लगभग 1 अरब, 21 करोड़, 1 लाख, 93 हज़ार, 422 है। भारत की पिछले दशक की जनसंख्या वृद्धि दर 17.64 प्रतिशत है। विश्व की कुल आबादी का आधा या कहें इससे भी अधिक हिस्सा एशियाई देशों में है। चीन, भारत और अन्य एशियाई देशों में शिक्षा और जागरुकता की कमी की वजह से जनसंख्या विस्फोट के गंभीर खतरे साफ दिखाई देने लगे हैं। स्थिति यह है कि अगर भारत ने अपनी जनसंख्या वृद्धि दर पर रोक नहीं लगाई तो वह 2030 तक दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन जाएगा।

भारत में बच्चों की जन्म दर- भारत में हर एक मिनट में 25 बच्चे पैदा होते हैं। यह आंकड़ा उन बच्चों का है, जो अस्पतालों में जन्म लेते हैं। अभी इसमें गांवों और कस्बों के घरों में पैदा होने वाले बच्चों की संख्या नहीं जुड़ी है। एक मिनट में 25 बच्चों का जन्म यह साफ करता है कि आज चाहे भारत में कितनी भी प्रगति हुई हो या भारत शिक्षित होने का दावा करे, किंतु यह भी एक सच्चाई है कि अब भी देश के लोगों में जागरुकता नाम मात्र की ही आई है।

जागरुकता के नाम पर भारत में कई कार्यक्रम चलाए गए- हम दो हमारे दो का नारा लगाया गया, लेकिन लोग हम दो हमारे दो का बोर्ड तो दीवार पर लगा देख लेते हैं, लेकिन घर जाकर उसे बिल्कुल भूल जाते हैं और तीसरे की तैयारी में जुट जाते हैं। भारत में ग़रीबी, शिक्षा की कमी और बेरोजगारी ऐसे अहम कारक हैं, जिनकी वजह से जनसंख्या का यह विस्फोट प्रतिदिन होता जा रहा है। आज जनसंख्या विस्फोट का आतंक इस कदर छा चुका है कि हम दो हमारे दो का नारा भी अब असफल सा हो गया है। इसलिए भारत सरकार ने नया नारा दिया है- छोटा परिवार, संपूर्ण परिवार। छोटे परिवार के कई फायदे हैं- बच्चों को अच्छी परवरिश मिलती है, अच्छी शिक्षा से एक बच्चा दो बच्चों के बराबर कमा सकता है, बच्चे और माँ का स्वास्थ्य हमेशा अच्छा रहता है, जिससे दवाइयों का अतिरिक्त खर्चा बचता है। यह ऐसे फायदे हैं, जो एक छोटे परिवार में होते हैं।

जनसंख्या की स्थिति- सम्पूर्ण विश्व में चीन को अपनी 1.3 अरब जनसंख्या के चलते विश्व में प्रथम स्थान हासिल है। वहीं दूसरी ओर भारत भी अपनी 1.2 अरब जनसंख्या के साथ विश्व में दूसरे नंबर पर है। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि अगर भारत की जनसंख्या इसी दर से बढ़ती रही तो 2030 तक उसे विश्व में प्रथम स्थान हासिल हो जायेगा। अभी हाल के जनसंख्या परिणामों के अनुसार भारत की आबादी 120 करोड़ से अधिक है, जो अमेरिका, इंडोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान और बांग्लादेश की कुल जनंसख्या से ज्यादा है। ध्यान देने योग्य है कि भारत के कई राज्य विकास में भले ही पीछे हों, परन्तु उनकी जनसंख्या विश्व के कई देशो की जनसंख्या से अधिक है, जैसे- तमिलनाडु की जनसंख्या फ्रांस की जनसंख्या से अधिक है तो वहीं ओडिशा अर्जेंटीना से आगे है। मध्य प्रदेश की जनसंख्या थाईलैंड से ज्यादा है तो महाराष्ट्र मेक्सिको के बराबर आ रहा है। उत्तर प्रदेश ने ब्राजील को पीछे छोड़ा है तो राजस्थान ने इटली को पछाड़ा है। गुजरात ने दक्षिण अफ्रीका को और पश्चिम बंगाल ने वियतनाम को पीछे छोड़ा है। यही नहीं भारत के छोटे-छोटे राज्यों, जैसे- झारखण्ड, उत्तराखण्ड, केरल, आसाम ने भी कई देशों, जैसे- उगांडा, ऑस्ट्रिया, कनाडा, उज़्बेकिस्तान को बहुत पीछे छोड़ दिया है। अपनी इस उपलब्धि के साथ यह कह सकते है कि भारत में जनसंख्या के आधार पर विश्व के कई देश बसते है। परन्तु यह भी सच है कि भारत के पास विश्व का मात्र 2.4 प्रतिशत क्षेत्र है, परिणामतः संसाधनों के मामले में हम कहीं ज़्यादा पीछे है, जिससे चिंतित होकर एक बार पूर्व ग्रामीण मंत्री रघुवंश प्रसाद ने यहाँ तक कह दिया था कि- भले ही क्षेत्र और संसाधन के मामले में अमेरिका हमसे आगे हो, परन्तु जनसंख्या के कारण कई अमेरिका भारत में मौजूद है।

स्वास्थ्य सेवा पर असर- देश की बढ़ती जनसंख्या से स्वास्थ्य सेवा भगवान भरोसे ही है, अगर ऐसा माना जाय तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। एक तरफ जहाँ चिकित्सा-पर्यटन को बढ़ावा देने की बात की जाती है तो वहीं देश का दूसरा पक्ष कुछ और ही बयान करता है, जिसका अंदाज़ा आये दिन देश के विभिन्न भागों से आये राजधानी दिल्ली के सरकारी अस्पतालों के आगे जमा भीड़ को देखकर लगाया जा सकता है, जहाँ एक छोटी बीमारी की इलाज के लिए ग्रामीण इलाके के लोगों को दिल्ली स्थित एम्स आना पड़ता है। भारत की स्वास्थ्य सेवा के प्रति जनसंख्या नियंत्रण पर लापरवाही की तस्वीर से अंदाज़ा लगाया जा सकता है। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों की अपेक्षा मृत्यु-दर ज्यादा है। एक आकड़े के मुताबिक़ आजादी के इतने वर्षों के बाद भी इलाज़ के अभाव में प्रसव काल में 1000 मे 110 महिलाये दम तोड़ देती हैं। ध्यान देने योग्य है कि यूएनएफपीए के कार्यकारी निदेशक ने प्रसव स्वास्थ्य सेवा पर चिंतित होते हुए कहा है कि- विश्व भर में प्रतिदिन लगभग 800 से अधिक महिलाये प्रसव के समय दम तोड़ देती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की अगर माने तो प्रसव के समय दम तोड़ने वाली महिलाओ में 99 प्रतिशत महिलाये विकाशसील देशों से सम्बंधित हैं, जबकि प्रायः उन्हें बचाया जा सकता है। सीआईए के आकड़ों के अनुरूप शिशु मृत्यु-दर सबसे कम मोनैको देश में है, जहाँ 1.8 बच्चे ही काल-ग्रसित होते हैं। वहीं भारत में स्थिति बिलकुल उल्टी है। भारत में आज भी एक हजार बच्चों में से 46 बच्चे काल के शिकार हो जाते हैं और 40 प्रतिशत से अधिक बच्चे कुपोषण के शिकार हो जाते हैं।

शिशु मृत्यु दर- बच्चों को जन्म देने वाली माँ के शरीर से जब बार-बार जन्म लेते बच्चों के रूप में प्राणिक तत्व बाहर निकलता है, तब वह क्रमश अधिक कमज़ोर बच्चों को जन्म देने को विवश होती है। ये कमज़ोर बच्चे अगर एक वर्ष की उम्र तक नहीं बच पाते, तो हमारी शिशु मृत्यु दर बढ़ जाती है। शिशु मृत्यु दर फिलहाल छत्तीसगढ़ में 70 प्रतिशत प्रति हजार जीवित जन्म है, जो कि ग्रामीण क्षेत्र में, जहाँ जन्म दर अधिक है और शिक्षा का स्तर कम है, 85 है, तथा शहरों में 51 है। शिशु को जन्म देते हुए कमज़ोर माता की मृत्यु भी हो सकती है।

यहाँ अधिकतर प्रसव घरों में अप्रशिक्षित दाई के द्वारा होता रहा है, जहाँ भावी माता की आकस्मिक परिचर्या, रक्तदान, शल्य चिकित्सा की कोई व्यवस्था नहीं होती। आज भी छग में 14 लाख ग्रामीण परिवार ग़रीबी रेखा के नीचे जीते हैं, ऐसे में माता की खुराक में तथा अधिक बच्चों वाले परिवार में खानपान की अपर्याप्तता तो बनी ही रहती है।

जोमैटो के मालिक ने गुरुग्राम में खरीदा सुपर-लग्जरी अपार्टमेंट, कीमत जान रह जाएंगे दंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। जोमैटो के फाउंडर दीपिंदर गोयल ने गुरुग्राम में डीएलएफ के द कैमेलियास में 52.3 करोड़ रुपये में एक सुपर-लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा है। रियल एस्टेट एनालिटिक्स फर्म जैपकी से मिले डॉक्यूमेंट के मुताबिक संपत्ति के लिए सभी चीजें मार्च में पूरी कीं थी। इसमें गोयल ने स्टांप शुल्क के रूप में 3.66 करोड़ रुपये का पेमेंट किया।

दीपिंदर गोयल के अपार्टमेंट की क्या हैं खूबियां- यह अपार्टमेंट 10,813 वर्ग फुट में फैला हुआ है और इसमें पांच पार्किंग की जगह हैं। दस्तावेजों से पता चलता है कि खरीद 2022 में बिल्डर डीएलएफ लिमिटेड से सीधे की गई थी, जबकि सभी चीजें 17 मार्च, 2025 को पूरा हुई थी।

5-स्टार होटल जैसी सुविधाएं- डीएलएफ द कैमेलियास, गुरुग्राम के डीएलएफ फेज-5 में स्थित एक सुपर-लग्जरी रेशिडेंशियल प्रोजेक्ट है और अपनी 5-स्टार होटल जैसी सुविधाओं के लिए भी जानी जाती है। यह अक्सर अपने ज्यादा कीमत वाले रियल एस्टेट लेनदेन के लिए चर्चा में रहता है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित पते के रूप में उभरा है।

गोयल, जो फूड डिलीवरी कंपनी के सीईओ भी हैं, के पास लग्जरी कारों का एक संग्रह भी है जिसमें लेम्बोर्गिनी हुराकैन स्टेराटो, एस्टन मार्टिन डीबी 12, फेरारी रोमा, एक पोर्श 911 टर्बो एस, एक लेम्बोर्गिनी उरुस, बीएमडब्ल्यू एम 8 कॉम्पिटिशन और पोर्श कैरेरा एस शामिल हैं।

कैमेलियास क्या है- कैमेलियास एनसीआर में अमीर और फेमस लोगों का नया पता है। दिसंबर 2024 में, गुरुग्राम स्थित इन्फो-एक्स सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी के सीईओ और फाउंडर ऋषि पारती ने द कैमेलियास में 190 करोड़ रुपये में एक पेंटहाउस खरीदा।

उसी साल जनवरी में, वेसबॉक लाइफस्टाइल की डायरेक्ट और वी बाजार के सीएमडी हेमंत अग्रवाल की पत्नी स्मिति अग्रवाल ने द कैमेलियास में 95 करोड़ रुपये में एक अपार्टमेंट खरीदा।

अक्टूबर 2023 में भी 11,000 वर्ग फुट का एक अपार्टमेंट रिसेल में लगभग 114 करोड़ रुपये में खरीदा गया।

मेकमाईट्रिप के संस्थापक दीप कालरा, डेन नेटवर्क्स के समीर मनचंदा और अस्सागो ग्रुप के फाउंडर आशीष गुरनानी ने भी द कैमेलियास में अपार्टमेंट खरीदे हैं।

10 के 600 बने तो किसी ने 5 साल में दिया 6000% का रिटर्न; शराब कंपनियों के वो 5 स्टॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपने किसी शेयर में 10 रुपए इन्वेस्ट किए हों और पांच साल बाद वो 600 रुपए का हो जाए, तो आप क्या कहेंगे यही किया है अल्कोहल बेवरेज सेक्टर के पांच शेयर्स ने। इनमें से किसी ने 1500त्न का रिटर्न दिया है तो किसी ने 6000त्न की मोटी कमाई करा निवेशकों को मालामाल बना दिया। ये शेयर सिर्फ 13 रुपए से लेकर 600 रुपए तक के हैं, जो 1000 रुपए तक पहुंच चुके हैं। आखिर कौन से हैं वो स्टॉक? आइए जानते हैं...

छोटा शेयर लेकिन दिया बड़ा रिटर्न- तहमर इंटरप्राइजेज़ लिमिटेड का शेयर छोटा लेकिन तेजी से बढ़ता हुआ प्लेयर साबित हो रहा है। यह पिछले 5 साल में 1,876% का रिटर्न दे चुका है। हालांकि, पिछले एक साल में गिरावट रही है। लेकिन लंबी अवधि में शानदार रिटर्न दिए हैं। गुरुवार को BSE पर यह 13 से 14 रुपए Alcohol Beverage share price today) के बीच कारोबार कर रहा था। यह कंपनी देसी शराब के अलावा दूसरे कई प्रोडक्ट्स बनाती है।

5 साल में 3 गुना किया पैसा- सोम डिस्टिलरीज़ एंड ब्रेवरीज लिमिटेड ने पिछले 5 साल में अपने निवेशकों का पैसा दो से तीन गुना किया है। 5 साल पहले कंपनी का शेयर सिर्फ 13 रुपए का था, जो अब 152 रुपए हो चुका है। इसने अब तक 1000% से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

सरकार के खाते में आएंगे 21 हजार करोड़ रुपये, इस चीज के लिए मिल गई मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जीवन बीमा निगम यानी LIC के शेयरों को ओपन फॉर सेल ऑफर के तहत बेचने की पेशकश को सरकार से मंजूरी मिल गई है। सरकार इस कंपनी में अपनी हिस्सेदारी कम करेगी। इस समय एलआईसी के शेयरों में भारत सरकार की 96.5 फीसदी की हिस्सेदारी है। इससे पहले 2022 में IPO के जरिए सरकार ने 3.5 फीसदी की हिस्सेदारी बेची थी और करीब 21 हजार करोड़ रुपये हासिल किए थे। अब फिर से एक बार सरकार इतनी ही हिस्सेदारी बेचेगी।

गुरुवार 10 जुलाई 2025 को LIC के शेयर 2 फीसदी गिरकर 926.90 रुपये के स्तर पर बंद हुए। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने OFS के माध्यम से एलआईसस के शेयरों की बिक्री के लिए अपनी मंजूरी दे दी है।

सरकार के खाते में आएंगे 21 हजार करोड़ रुपये- LIC में भारत सरकार की हिस्सेदारी न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता मानदंडों की तुलना में 21.5त्न अधिक है। 16 मई 2027 तक LIC में 10 फीसदी हिस्सेदारी पब्लिक की होनी चाहिए। शायद इसी वजह से सरकार ने हिस्सेदारी बेच रही है। हालांकि, अभी इसके लिए कोई तारीख नहीं डिसाइड की गई है। और कितने रुपये में ओपन फॉर सेल ऑफर के तहत इसके शेयर बेचे जाएंगे, इस संबंध में कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है।

करंट मार्केट कैप के मौजूदा आधार पर, इस अतिरिक्त हिस्सेदारी का मूल्य 1.28 लाख करोड़ है। यानी सरकार 3.5 फीसदी की हिस्सेदारी बेचेगी तो एक फीसदी के लिए उसे लगभग 6,000 करोड़ मिलेंगे। इस हिसाब से 3.5 फीसदी के लिए 21 हजार करोड़ रुपये उसे मिलेंगे।

2 फीसदी गिरकर बंद हुए LIC के शेयर- इस समय LIC का मार्केट कैप 5.86 लाख करोड़ रुपये है। इसके शेयर 926.90 रुपये के स्तर पर गुरुवार को बंद हुए। इसके 52 वीक हाई की बात करें तो यह 1222 रुपये है। और 52 वीक लो 715 रुपये है। मार्च के बाद एलआईसी के शेयरों में उछाल आना शुरू हुआ है।

मुनाफे में 800% का उछाल, बिक्री 300% बढ़ी; एक रुपए से भी सस्ते इस शेयर के रिजल्ट ने चौंकाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर मार्केट में पेनी स्टॉक्स पर अक्सर आम निवेशकों की नजर रहती है, क्योंकि इनकी कीमत काफी कम होती है। कम प्राइस होने के चलते पेनी शेयर्स में लाखों इन्वेस्टर पैसा लगाना पसंद करते हैं। GACM Technologies Ltd का शेयर भी मार्केट में उपलब्ध एक पेनी स्टॉक है, जिसकी कीमत एक रुपये से भी कम है। खास बात है कि इस कंपनी ने FY26 की पहली तिमाही में बंपर मुनाफा दर्ज किया है।

GACM Technologies Ltd ने Q1 के नतीजे जारी किए, जिसमें बताया गया कि कंपनी के नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर 826% की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी की बिक्री में भी 300 फीसदी से अधिक का इजाफा दर्ज किया गया है। रिजल्ट के बाद जीएसीएम टेक्नोलॉजी के शेयर ढाई फीसदी के उछाल के साथ 0.87 पैसे पर बंद हुए।

क्या है कंपनी का कारोबार- GACM Technologies Ltd, 1995 में निगमित, कंपनी है जो वित्तीय परामर्श और फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी से संबंधित सेवाएं प्रदान करती है। इस कंपनी का मार्केट कैप 107 करोड़ रुपये है।

कैसा रहा शेयरों का प्रदर्शन- रिटर्न के लिहाज से इस कंपनी के शेयरों ने लंबी अवधि में निराश किया है, क्योंकि 5 सालों में इसने 28 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न दिया है। हालांकि, इस साल अब तक यह शेयर 8.86% रिटर्न दे चुका है।

IT शेयरों में कमजोरी के बीच गिरावट में बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। निफ्टी ने लगातार 10 जुलाई को भी गिरावट का सिलसिला जारी रखा, जो साप्ताहिक डेरिवेटिव्स एक्सपायरी की सामान्य अस्थिरता के कारण कमजोर रहा। Share Market Today में इस सुस्ती भरे माहौल में नए ट्रिगर्स की कमी भी झलक रही थी, क्योंकि निवेशक टीसीएस के नतीजों के साथ जून तिमाही के आय सत्र की शुरुआत का इंतजार कर रहे थे और लंबे समय से लंबित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर नजर रखे हुए थे।

अंत में सेंसेक्स 345.80 अंक या 0.41 फीसदी की गिरावट के साथ 83,190.28 पर और निफ्टी 120.85 अंक या 0.47 फीसदी की गिरावट के साथ 25,355.25 पर बंद हुआ। सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी आईटी सबसे बड़ी गिरावट के रूप में उभरा। जिसमें इंफोसिस, विप्रो, टीसीएस और टेक महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियाँ गिरावट में दिखीं। निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स भी सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले इंडेक्स में से एक रहा, जिसमें 0.77 फीसदी की गिरावट आई। इसके बाद निफ्टी आईटी और निफ्टी फार्मा इंडेक्स क्रमशः 0.82 फीसदी और 0.59 फीसदी गिरे। निफ्टी बैंक और निफ्टी एफएमसीजी भी क्रमशः 0.41 फीसदी और 0.55 फीसदी लुढ़के। व्यापक मोर्चे पर, निफ्टी मिडकैप 100 और स्मॉलकैप 100 इंडेक्स क्रमशः 0.29 फीसदी और 0.28 फीसदी गिरे। बढ़त वाले शेयरों में निफ्टी रियल्टी सबसे आगे रहा और इसमें 0.70 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी मेटल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में क्रमशः 0.41 फीसदी और 0.16 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। इंडिया ङ्कढ्ढ्ङ्ग में 2 फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ 11.68 पर आने से अस्थिरता कम रही। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के रिसर्च हेड विनोद नायर के मुताबिक टीसीएस के पहली तिमाही के नतीजों से पहले आईटी शेयरों में कमजोरी के चलते भारतीय शेयर बाजार दिन के अंत में गिरावट के साथ बंद हुए। आईटी और वित्त क्षेत्र से इस सीजन की शुरुआत सुस्त रहने की आशंका के चलते पहली तिमाही के नतीजों से पहले निवेशकों का रुझान सतर्क बना हुआ है।

कैसे जुटाएं 10 लाख रुपए का फंड? कितना लगेगा समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड एसआईपी की तरह की सुविधा देती है। जो सामान्य एफडी या आरडी स्कीम में आपको नहीं मिलेगा। म्यूचुअल फंड की ओर निवेशक इसलिए बढ़ रहे हैं, क्योंकि इसमें किसी भी सुरक्षित निवेश से ज्यादा मुनाफा मिल सकता है।

हालांकि इसमें होने वाला मुनाफा बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। म्यूचुअल फंड में न्यूनतम 12 से 14 फीसदी तक रिटर्न मिलता है। अब जानते हैं कि 10 लाख का फंड बनाने के लिए कितने समय तक आपको निवेश करना होगा।

नीचे हमने एसआईपी की तीन अलग-अलग अमाउंट 2000, 3000 और 5000 रुपये लिए हैं। इन तीनों में ही 10 लाख रुपये का फंड बनाने के लिए अलग-अलग अवधि तक निवेश करना होगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

शिवपुरी में फ्री के राशन पर संकट, ई-केवाइसी नहीं कराने से एक लाख 44 हजार हितग्राहियों को नहीं मिलेगा राशन

शिवपुरी। जिले में पीडीएस के तहत 11 लाख 66 हजार 164 लोगों को राशन वितरित किया जाता है। शासन ने ई-केवाइसी को अनिवार्य करते हुए 30 जून अंतिम तिथि निर्धारित की थी, लेकिन अब तक सिर्फ 10 लाख 22 हजार 123 लोगों ने ही ई-केवाइसी करवाई है।

ऐसे में 1 लाख 44 हजार 41 हितग्राहियों का जुलाई माह में राशन जनरेट नहीं हो सका है, जिससे उन्हें इस महीने राशन नहीं मिलेगा।जिले की 19 जनपद और नगर परिषदों में ई-केवाइसी के आंकड़ों के अनुसार जनपद पंचायत खनियाधाना सबसे पीछे है, जहां 26 हजार 331 हितग्राहियों की ई-केवाइसी लंबित है। इसके बाद पोहरी में 21 हजार 700 हितग्राहियों ने अभी तक ई-केवाइसी नहीं करवाई है। जिला खाद्य अधिकारी शूलेस्वर कुर्रे के अनुसार जिनकी ई-केवाइसी नहीं हुई है, उन्हें राशन नहीं मिलेगा। हालांकि पांच साल से कम उम्र के जिन बच्चों के नाम 'मेरा ई-केवाइसी' एप में दर्ज हैं, उन्हें राशन दिया जाएगा।

जिले में पांच साल से कम उम्र के 16 हजार 631 बच्चों की ई-केवाइसी भी नहीं हो सकी है, जिससे उनका राशन भी जनरेट नहीं हो पाएगा। इसी तरह 80 वर्ष से अधिक उम्र के कई हितग्राहियों की ई-केवाइसी भी लंबित है। इसके अलावा जिले में 2862 मिट्रिक टन चावल की कमी बनी हुई है। बालाघाट और सीधी से चावल की रैक आने की प्रक्रिया जारी है, लेकिन बारिश के कारण वितरण प्रभावित हो रहा है। सैकड़ों दुकानों तक चावल नहीं पहुंच पाया है, जिससे ई-केवाइसी पूर्ण हितग्राहियों को भी राशन मिलने में परेशानी हो रही है।

ट्रेन से रेस लगाने कार लेकर प्लेटफार्म पर पहुंचा युवक, पत्नी के मायके जाने से था नाराज

ग्वालियर। नशे की हालत में लोगों से आज तेरा भाई गाड़ी चलाएगा वाला डॉयलाग तो आपने बहुत सुना होगा, लेकिन ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर जो हुआ उससे सभी हैरान रह गए। ग्वालियर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक एक पर बुधवार की देर रात एक युवक शराब के नशे में ट्रेन से रेस लगाने के लिए कार चढ़ा दी। स्टेशन पुनर्विकास कार्य के चलते प्लेटफार्म तक बैकहो लोडर जैसी बड़ी मशीनों के आवागमन के लिए आफिसर रेस्ट हाउस के पास से रास्ता बनाया गया है। युवक उसी रास्ते से कार लेकर प्लेटफार्म तक आ गया।प्लेटफार्म पर कार पहुंचते ही यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। आरपीएफ के जवानों ने युवक को पकड़कर कार को प्लेटफार्म से हटाया। पूछताछ में युवक ने बताया कि उसकी शराब पीने की आदत से नाराज होकर पत्नी मायके चली गई है। इसी गुस्से में वह कार लेकर प्लेटफार्म पर आ गया था। युवक के खिलाफ रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।मायके चले गई थी पत्नी

जानकारी के मुताबिक आदित्यपुरम निवासी 34 वर्षीय युवक नितिन राठौड़ शराब पीने का आदी है। उसकी पत्नी ने कई बार उसे शराब पीने से मना किया। बुधवार को भी जब वह शराब पीकर घर पहुंचा, तो पत्नी नाराज होकर उसे छोड़कर अपने मायके चली गई। पत्नी के चले जाने के बाद नितिन ने गुस्से में और शराब पी और अपनी कार क्रमांक एमपी 07 जेडवी 8881 लेकर घर से निकल गया।

ड्राइवर ने उफनते नाले में उतारी बस, आधा हिस्सा पुलिया से लटक गया, बाल-बाल बचे यात्री

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह जिले लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। जिल के तेजगढ़ थाना क्षेत्र में बुधवार की रात एक यात्री बस के चालक की लापरवाही के चलते उफनते नाले में फंस गया। इस दौरान बस में बहुत सारे यात्री सवार थे। गनिमत यह रही की किसी भी प्रकार की कोई जानहानि नहीं हई।जानकारी के अनुसार, लकलका से झापन जा रही बस क्रमांक एमपी 09 ए पी 5306 को चालक ने उफनते नाले में उतारने का प्रयास किया। बस अनियंत्रित होकर नाले में फंस गई। बस का आधा हिस्सा पुलिया से उतरकर बहते पानी की तरफ झुक गया। स्थानीय ग्रामीण और पुलिस की मदद से तत्काल ही कार्रवाई करते हुए बस में सवार 20 यात्रियों को सुरक्षित वहां निकल गया। घटना बुधवार के रात 9ः00 बजे के लगभग की बताई जा रही है।

जिले में लगातार ही तीन दिन से काफी मात्रा में बारिश हो रही है और इस कारण से जिले के सभी नदी नाले उफान पर हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा अभी किसी भी नदी नाली पर ना तो वेरीकेटेड की व्यवस्था की गई है और न ही किसी भी प्रकार के सुरक्षा के उपाय किए गए हैं। जिस कारण से वाहन चालक अपनी मनमर्जी के चलते पुल पुलियों पर पानी होने के बाद भी वहां के आवागमन को कर रहे हैं।71.0 मिमी बारिश दर्ज

जिले में लगातार हो रही बारिश ने शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक जनधन को प्रभावित कर दिया है। बुधवार रात हुई 71.0 मिमी बारिश दर्ज हुई है, पूरी रात और पूरे दिन बारिश का सिलसिला लगातार जारी रहा। जिससे नदी नाले उफान पर आ गए, कई प्रमुख मार्गो का आवागमन बंद हो गया।नदी नाले उफान पर, आवागमन प्रभावित

लगातार हुई तेज बारिश के चलते व्यारमा नदी पूरे बेग के साथ उफान पर है नदी, नालों का जलस्तर बढ़ने के कारण मार्ग पर बने पुलों के ऊपर पानी बह रहा है। पुलों पर पानी होने के कारण अनेक स्थानों पर आवागमन अवरूद्ध रहा है। जिले की सभी नदियां उफान पर चल रहीं है दमोह से पथरिया जाने वाले मार्ग पर कोपरा नदी के पुल पर पानी आने से आवागमन बंद रहा। वहीं दमोह-छतरपुर मार्ग पर बटियागढ़ के पास से निकली जूड़ी नदी के पुल पर भी आवागमन बंद करना पड़ गया।

रीवा में इंजेक्शन लगने के बाद भी रेबीज से गई मासूम की जान, उठ रहे सवाल

रीवा। रीवा के गली मोहल्ला में घूमने वाले आवारा कुत्ते अब बच्चों के लिए जानलेवा साबित होने लगे हैं। हाल ही में कुत्ते के काटने से 14 साल के एक मासूम बच्चे के दिमाग पर ऐसा असर पड़ा कि वह हूबहू कुत्ते जैसी हरकतें करने लगा और अंत में आज उसकी मौत हो गई।हैरानी की बात तो यह है कि कुत्ते के काटने के तुरंत बाद ही उसे रेबीज इंजेक्शन का डोज दिया गया, इसके बावजूद बच्चे की मौत हो गई। ऐसे में अब सरकारी अस्पताल में लगाए गए रेबीज इंजेक्शन के मानक पर भी सवाल उठने लगे हैं।

वहीं, कलेक्टर ने भी अपनी जानकारी में यह पहला मामला बताया है, जिसमें रेबीज का इंजेक्शन लगने के बाद मरीज की मौत हो गई है। फिलहाल संभाग के सबसे बड़े संजय गांधी अस्पताल में आने वाली सरकारी दवाओं के मानक पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। कुत्ते के काटने से बच्चे की मौत का यह पहला मामला बताया जा रहा है।

दरअसल हैरान कर देने वाला मामला रीवा शहर के ही नरेंद्र नगर का बताया गया, जहां बीते 16 जून को ग्राम पहाड़िया निवासी राजेश नट का 14 वर्षीय पुत्र नितिन अपनी मौसी के घर घूमने आया था। बच्चा जब घर के बाहर खेल रहा था तभी मोहल्ले की ही गलियों में घूम रहे आवारा कुत्ते ने बच्चे की गर्दन पर काट लिया, इसके बाद परिजनों से उपचार के लिए कुशाभाऊ ठाकरे जिला अस्पताल लेकर गए, जहां क्रमबद्ध तरीके से चिकित्सकों ने उसे रेबीज के तीन इंजेक्शन लगाए, बावजूद इसके कुछ ही दिनों बाद बच्चा कुत्तों जैसी हरकतें करने लगा।

परिजन उसे एक बार फिर उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने भी देखा कि कुत्ते के काटने से बच्चे के दिमाग पर असर हुआ है और बच्चा कुत्ते के जैसे हरकतें कर रहा है, ऐसे में चिकित्सकों ने भी बच्चे का उपचार करने से हाथ खड़े कर दिए।

परिजनों के उपचार ना करने पर किए गए सवाल पर चिकित्सकों ने जवाब में कहा कि रेबीज़ इंजेक्शन का पूरा डोज दिया जा चुका है, ऐसे में अब वह उसका इलाज नहीं कर सकते। वहीं, बच्चे के शरीर में कुत्ते का जहर इस कदर फैला कि न सिर्फ उसके दिमाग में इसका असर हुआ बल्कि उसकी मौत हो गई। इधर बच्चे की मौत पर पीड़ित परिवार से मिले अधिवक्ता ने ना सिर्फ बच्चे के उपचार में लापरवाही का आरोप लगाया बल्कि बच्चे को लगाए गए रेबीज इंजेक्शन के मानक पर सवाल उठाए है। हालांकि, अस्पताल अधीक्षक ने दवा के मानक पर उठाए गए सवाल को खारिज किया है और दवाओं के मानकों का ध्यान में रखते हुए ही उनके उपयोग की बात कही है।

चेन्नई में पैरा फेंसिंग नेशनल चैंपियनशिप में प्रदेश का जलवा, 21 पदक जीते

भोपाल। चेन्नई में आयोजित राष्ट्रीय पैरा फेंसिंग (तलवारबाजी) चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। प्रदेश के केवल छह पैरा खिलाड़ियों ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में कुल 21 पदक जीतकर सबको चौंका दिया। इस चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश की टीम ने टीम इवेंट में पहला स्थान हासिल किया, जो प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। भोपाल पहुंचने पर इन होनहार पैरा फेंसिंग खिलाड़ियों से खेल एवं युवा कल्याण विभाग के डायरेक्टर राकेश गुप्ता ने मुलाकात की और उन्हें उनकी शानदार जीत के लिए शुभकामनाएं दीं।

सीनियर फेंसिंग कोच भूपेंद्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश के इन छह खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। गुना जिले के दीपक शर्मा ने कैटेगरी बी के ईपी इवेंट में गोल्ड मेडल और सेवर इवेंट में ब्रान्ज मेडल जीता। पुरुष वर्ग में मध्यप्रदेश के लिए इंडिविजुअल गोल्ड मेडल जीतने वाले वे पहले खिलाड़ी हैं। दीपक इससे पहले 2021 और 2022 में भी मेडल जीत चुके हैं और अंतरराष्ट्रीय व्हीलचेयर फेंसिंग वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं।

हरदा जिले के सिराली गांव के पैरा खिलाड़ी कपिल कुशवाह ने कैटेगरी बी के ईपी इंडिविजुअल इवेंट में ब्रान्ज मेडल और सेवर टीम इवेंट में गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

प्रदेश की लाड़ली बहनों को 12 जुलाई को मिलेगी राशि : मुख्यमंत्री

बीआरटीएस हटने से मृत्यु में 70 और हादसों में 51 प्रतिशत कमी आई

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लाडली बहनों के खाते में 12 जुलाई को राशि अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगले माह आने वाले रक्षाबंधन के अवसर पर लाडली बहना योजना के तहत वर्तमान में दी जा रही मासिक आर्थिक सहायता राशि के अतिरिक्त 250 रूपए की विशेष सहायता राशि भी अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की करीब 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार के एक नवाचार को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने भी अपना लिया है। मध्यप्रदेश की तरह जेएनयू दिल्ली में भी कुलपति अब कुलगुरु के नाम से जाने जाएंगे। जेएनयू ने मध्यप्रदेश से प्रेरणा लेकर यह कदम उठाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई को है। इस दिन प्रदेश के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालय में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में जिले के प्रभारी मंत्री भी प्रमुखता से शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक, गुरुजन एवं साधु संतों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भोपाल शहर में (कमला नेहरू स्कूल) सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीआरटीएस हटाने से बड़े ही सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। मुख्यमंत्री ने एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि बीआरटीएस हटाने से हादसों में 51 प्रतिशत और हादसों की वजह से मृत्यु में 70 प्रतिशत तक की कमी आई है। यह मध्यप्रदेश सरकार के जनहित में लिए गए निर्णयों के सुचारू क्रियान्वयन का सुखद परिणाम है। उन्होंने बताया कि सरकार ने जनवरी 2024 में बीआरटीएस हटाने का निर्णय लिया था।

निषादराज सम्मेलन होंगे 12 जुलाई को- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में मत्स्य पालन के क्षेत्र में कार्यरत सभी व्यक्तियों के समग्र कल्याण एवं सम्मान के लिए निषादराज सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि निषादराज जयंती 10 जुलाई को है, परंतु प्रदेश में समन्वित रूप से 12 जुलाई को निषादराज सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इस सम्मेलन में मत्स्य पालन क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों की पारिश्रमिक दरों में वृद्धि, बोनस वितरण, उनके विश्राम के लिए जलाशयों के किनारे प्लेटफॉर्म्स की स्थापना के संबंध में प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भोपाल में करीब 5 करोड़ की लागत से आधुनिक केवट प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना के लिए भी ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

विधानसभावार बनवायें विज़न डाक्यूमेंट- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी मंत्रीगण से कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के विजन 2023 के संदर्भ में अपने-अपने प्रभार के जिलों में भ्रमण करें और शेष रह गयीं विधानसभा से विज़न डाक्यूमेंट तैयार करने संबंधी कार्यों को अगले 10 दिन में पूर्ण कर लें। उन्होंने कहा कि विधानसभा के विकास से संबंधित कार्यों को बजट में शामिल करायें और इनके क्रियान्वयन के लिए भी समुचित कार्रवाई करें।

सड़क दुर्घटना रोकने के लिये जिलों में चलेगा जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम

इंदौर। केन्द्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने देश के 100 ऐसे जिले जहां अधिक संख्या में घातक सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, उन्हें सेफ लाईफ फाउण्डेशन के सर्वे के माध्यम से चिन्हित किया गया है। देश के चिन्हित इन 100 जिलों में मध्यप्रदेश के 6 जिले चिन्हित किये गये हैं। ये जिले धार, सागर, सतना, रीवा, जबलपुर एवं खरगोन हैं। धार जिले में वर्ष 2023 के आकलन अनुसार सबसे अधिक घातक सड़क दुर्घटनाएं हुई है। इन सड़क दुर्घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम के तहत सभी जिला प्रशासन से अनुरोध किया है कि इन सड़क दुर्घटनाओं के कारणों को चिन्हित करते हुए योजना तैयार की जाये। इसके बाद आवश्यक कार्य किए जाएं जिससे इन सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लग सके। आईआईटी मद्रास के Center of Exellence for Road Safety द्वारा ऐसी रणनीति पर कार्य किया गया है, जिसके तहत प्रत्येक स्थल एवं सड़क कॉरिडोर जहाँ दुर्घटनाएं अधिक संख्या में हो रही हैं, वहां कम लागत वाले अति स्थानीय कार्यों को चिन्हित किया गया है। उन कार्यों के लिये जिला प्रशासन को सहयोग दिया जाएगा। इस संबंध में राज्य शासन के परिवहन विभाग की ओर से सभी कमिश्नर एवं जिला कलेक्टर्स को विस्तृत निर्देश जारी किये गये हैं। मुख्य सचिव द्वारा भी इस कार्य की लगातार समीक्षा की जा रही है। कार्य योजना के तहत सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि वे जिले में एडीएम अथवा एसडीएम स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त करें तथा यह नोडल अधिकारी जिले की सड़क एजेन्सियों के अधिकारियों के साथ बैठक करके संभावित दुर्घटना स्थलों और सड़क कॉरिडोर की जानकारी संकलित करें।

सैनिकों का मासिक सम्मेलन सम्पन्न

इंदौर। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जयरामपुर कालोनी इंदौर में जिले के सैनिकों, वीरनारियों, सैनिक विधवाओं एवं आश्रितों हेतु मासिक सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर श्री नगेश चंद्र मालवीय (सेवानिवृत) ने पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को संबोधित किया एवं उनकी समस्याओं का निराकरण किया। साथ ही साथ शासन की विभिन्न कल्याण योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

सम्मेलन के दौरान पूर्व सैनिकों ने भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना में होने वाली परेशानी एवं इंदौर तथा आस पास के जिलों में अनुबंधित अस्पतालों की संख्याओं की कमी का जिक्र किया एवं इसका हल निकालने की गुजारिश की। इसके अलावा स्पर्श पेंशन वेबसाइट तथा रिकार्ड्स ऑफिस में पेंशन से संबंधित वाली समस्याओं के बारे में चर्चा की। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी श्री नगेश चंद्र मालवीय (सेवानिवृत) ने संबंधित अधिकारियों एवं विभागों से मिलकर समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के अधिकारी के अलावा विंग कमांडर श्री डी.पी. तिवारी (सेवानिवृत) एवं कल्याण संयोजक आनरेरी कैप्टन श्री रघुवर दत्त शर्मा ने सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पर्यावरण और जल संरक्षण अवधारणा पर अमल

इंदौर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जल, प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पूरे देश में चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान को प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मिशन के रूप में चला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्रकृति, पर्यावरण और जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रदेश के 16 जिलों में मां नर्मदा परिक्रमा पथ के आश्रय स्थलों की भूमि पर पौधरोपण करेगी और मनरेगा परिषद ने तैयारी भी शुरू कर दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने पौधरोपण के संबंध में निर्देश भी जारी किए हैं।

233 स्थानों की लगभग 1000 एकड़ भूमि पर किया जाएगा पौधरोपण- मां नर्मदा परिक्रमा पथ पर स्थित आश्रय स्थलों के लगभग 233 स्थानों की लगभग 1000 एकड़ भूमि पर 43 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से लगभग 7.50 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा। पौधरोपण का कार्य 15 जुलाई से शुरू होगा जो 15 अगस्त तक चलेगा। इन क्षेत्रों में पौध-रोपण के लिए बकायदा अभियान चलाया जाएगा।

16 जिलों में मां नर्मदा आश्रय स्थलों पर होगा पौधरोपण- मां नर्मदा आश्रय स्थलों पर जिन जिलों में पौधरोपण किया जाएगा, उन 16 जिलों में अनूपपुर, डिंडोरी, मण्डला, जबलपुर, नरसिंहपुर, सिवनी, बड़वानी, अलीराजपुर, धार, नर्मदापुरम, रायसेन, सीहोर, हरदा, देवास, खंडवा एवं खरगोन शामिल हैं।

ड्रोन-सैटेलाइट इमेज से की जाएगी निगरानी- मां नर्मदा परिक्रमा पथ के आश्रय स्थलों की भूमि पर पौधरोपण का कार्य सही ढ़ग से हो रहा है या नहीं पौधे कहां पर लगे हैं या नहीं। मनरेगा परिषद द्वारा संपूर्ण पौध-रोपण कार्य की ड्रोन-सैटेलाइट इमेज से बकायदा निगरानी भी की जाएगी। आश्रय स्थलों पर भूमि की उपलब्धता के अनुसार दो श्रेणियों में पौधरोपण का कार्य किया जाएगा। प्रदेश में 136 ऐसे स्थान हैं जहां पर 2 एकड़ से अधिक भूमि है। यहां पर 2.15 लाख पौधे लगाए जाएंगे। इसी तरह 97 ऐसे स्थान हैं जहां पर 1 एकड़ से अधिक और 2 एकड़ से कम भूमि है वहां पर 5.50 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा।

पौधरोपण की खासियत- पौधरोपण के आश्रय स्थलों का चयन सिपरी सॉफ्टवेयर से किया जाएगा। साथ ही यदि सिपरी सॉफ्टवेयर पौधरोपण के लिए जगह को उपयुक्त नहीं बताता है तो उस स्थान पर पौधरोपण नहीं किया जाएगा।

स्टेट प्रेस क्लब, मप्र में उप-संचालक जनसंपर्क पुष्पेन्द्र वास्कले का अभिनन्दन

इंदौर। स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. ने संभागीय जन्सम्पर्क कार्यालय में हाल ही में पदस्थ उप-संचालक पुष्पेन्द्र वास्कले का स्वागत किया। इस अवसर पर श्री वास्कले ने कहा कि जनसंपर्क विभाग का महत्वपूर्ण दायित्व समय पर विश्वसनीय सूचना समाज तक पहुंचाना है। उनका प्रयास रहेगा कि शासन-प्रशासन की महत्वपूर्ण ख़बरें उचित समय पर प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और नया मीडिया के माध्यम से समाज तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि कई मर्तबा अपुष्ट और असत्य खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती हैं। जनसंपर्क विभाग की कोशिश रहती है कि फैक्ट चेक के माध्यम से सही खबर सामने आए।

इस अवसर पर अनेक मीडियाकर्मियों ने शासकीय आयोजनों में मीडियाकर्मियों की स-सम्मान उपस्थिति, दैनिक और सांध्य दैनिक समाचार पत्रों के लिए पृथक समाचार जारी करने, गैर-अधिमान्यता प्राप्त मीडियाकर्मियों को स्वास्थ्य सुविधा आदि के सन्दर्भ में सुझाव दिए। श्री वास्कले ने विश्वास दिलाया कि इंदौर की परम्परा के अनुसार जनसंपर्क विभाग और मीडिया जगत में बेहतर समन्वय बरकरार रहेगा।

उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने की अपील

इंदौर। इन्दौर जिले के कृषकों को सूचित किया गया है कि संचालनालय उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण भोपाल द्वारा इन्दौर जिले को वर्ष 2025-26 हेतु एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना अंतर्गत विभिन्न घटकों जैसे फलक्षेत्र विस्तार ड्रेगन फ्रूट (ड्रिप रहित), आम, अमरूद, लीची, अनार, नीबू वर्गीय (सामान्य दूरी, उच्च घनत्व एवं अति उच्च घनत्व ड्रिप रहित), संकर सब्जी क्षेत्र विस्तार (हाईब्रिड), प्याज एवं लहसुन क्षेत्र विस्तार, पुष्प क्षेत्र विस्तार-कट फ्लावर, बल्बस फ्लावर, लूज फ्लावर, मसाला क्षेत्र विस्तार (बीजीय मसाला), (कंदीय मसाला) अदरक हल्दी लहसुन, जीर्णोद्वार / जीर्ण वृक्षारोपण का प्रतिस्थापन, कैनोपी प्रबंधन (मृत/पुराने पौधो को हटाना, कैनोपी प्रबंधन (टॉप वर्किंग एवं नए पौधे के साथ गैप फिलिंग), कैनोपी प्रबंधन (पोषक तत्व प्रबंधन, कीट प्रबंधन और सिंचाई कार्य) संरक्षित खेती / पॉली हाउस में उगाए जाने वाले कार्नेशन और जरबेरा की खेती, प्लास्टिक मल्चिंग, हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स, सब्जी फसलों के लिए सहायता प्रणाली, संरक्षित खेती, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, एकीकृत कीट प्रबंधन, जैविक खेती-वर्मीकम्पोस्ट यूनिट, बागवानी यंत्रीकरण, नेपसेक स्प्रेयर / पावर आपरेटेड स्प्रेयर 16 लीटर क्षमता, फसलोपरांत प्रबंधन आदि के तहत भौतिक-वित्तीय लक्ष्य प्राप्त हुये हैं, जिसमें योजना अंतर्गत लाभांवित किये जाने का प्रावधान है। जो भी कृषक उक्त योजना का लाभ लेना चाहते वे विभाग के पोर्टल mpfsts portal पर पंजीयन व आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये विकासखंड स्तरीय वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी कार्यालय अथवा जिला कार्यालय या दूरभाष कमांक 0731-2700814 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे रियल एस्टेट, होटल इंडस्ट्री एवं टूरिज्म सेक्टर के निवेशकों से संवाद

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 जुलाई को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव में होटल इंडस्ट्री, पर्यटन, रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों के निवेशकों से संवाद करेंगे। इस उच्चस्तरीय आयोजन में देशभर के संबंधित सेक्टर्स के निवेशकों,

उद्योगपतियों, कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है- कॉन्क्लेव में देशभर से 1500 से अधिक उद्द्योगपति, रियल एस्टेट, होटल इंडस्ट्री और टूरिज्म सेक्टर से जुड़े प्रतिनिधि, निवेशक आदि शामिल होंगे। आयोजन के दौरान एक भव्य प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। आयोजन में क्रेडाई, होटल इंडस्ट्री, टूरिज्म, नगर निगम, आईडीए, स्मार्ट सिटी, मैट्रो, हुडको, एलआईसी, हाउसिंग बोर्ड आदि की व्यापक भागीदारी रहेगी। प्रदर्शनी में इनसे संबंधित योजनाएं व प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए जाएंगे। यह कॉन्क्लेव प्रदेश में शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। आयोजन से इंदौर और मध्यप्रदेश को निवेश का नया आयाम मिलेगा।

निवेश और विकास के प्रमुख क्षेत्र- प्रदेश में विकास और निवेश शहरी परिवहन (मेट्रो, ई-बस, मल्टीमॉडल हब), किफायती आवास, स्लम पुनर्विकास, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, जलापूर्ति, सीवेज नेटवर्क, झील संरक्षण, डिजिटलीकरण, ई-गवर्नेंस, भवन स्वीकृति प्रणाली और स्वच्छ ऊर्जा, हरित भवन, रिन्यूएबल इनफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। निवेशक इन क्षेत्रों में निवेश कर भविष्य में होने वाले लाभ के सहभागी हो सकते हैं।

हाउसिंग सेक्टर में बेहतर निवेश की संभावना- प्रदेश में हाउसिंग सेक्टर में निवेश की अच्छी संभावना है। अफोर्डेबल हाउसिंग में 8 लाख 32 हजार से अधिक किफायती आवास तैयार किये जा चुके है। प्रदेश में 10 लाख नए आवास तैयार किये जा रहे है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने माना आभार

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने मंत्रि-परिषद की बैठक में किसान हितैषी निर्णय के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि किसानों की कृषि सिंचाई जलकर राशि में से ब्याज राशि माफ करने का निर्णय ऐतिहासिक और स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों की कृषि सिंचाई जलकर राशि में से ब्याज राशि (शास्ति दण्ड) माफ करने के निर्णय से प्रदेश के लगभग 35 लाख किसान लाभांवित होंगे।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

गुरु दीक्षा दो आत्माओं की आध्यात्मिक क्षेत्र की घनिष्ठता है

गायत्री शक्तिपीठ पर हुए मंत्र दीक्षा, यज्ञोपवीत संस्कार

उज्जैन। गुरु दीक्षा एक प्रकार का आध्यात्मिक परिणय है, जिसमें दो व्यक्ति एक पवित्र उत्तरदायित्व को ओढ़ते हैं। गुरु दीक्षा दो आत्माओं की आध्यात्मिक क्षेत्र की घनिष्ठता है। जिसमें दुर्बल पक्ष को सबल के साथ जुड़ जाने जैसा लाभ मिलता है।

यह जानकारी देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज हरिद्वार से आए कुलदीप कुमार ने गायत्री शक्तिपीठ पर गुरु दीक्षा संस्कार करते हुए नव दीक्षितों को दी। आपने बताया कि गुरु दीक्षा आपसी लेनदेन का संबंध है। शिष्य अपने को गुरु को समर्पित करता है गुरु उसे अपने तपोबल से शिष्य की आत्मा को ऊंचा उठाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता। यहां पर 85 से अधिक श्रद्धालुओं ने दीक्षा ली। पुराने दीक्षितों की दीक्षा का नवीनीकरण कराते हुए कुलदीपजी ने दीक्षा अनुबंधों का स्मरण करते हुए बताया कि उपासना, साधना और आराधना समयदान और अंशदान में नियमितता से दीक्षा फलित होती है अतः इसमें व्यतिरेक ना आने दें।

एक अन्य संस्कार में 36 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार कराते हुए बानप्रस्थी रमेश चंद्र लेवे ने बटुकों को बताया कि यज्ञोपवीत गायत्री की प्रतिमूर्ति हैं। अपनी बुद्धि को सात्विक, सन्मार्गगामी बनाने के लिए सचेष्ट रहना चाहिए यह गायत्री मंत्र की शिक्षा है। आपने बटुकों को बताया कि सत्य, प्रेम और न्याय की भावनाओं को ह्दमंगम करने और उनके अनुसार आचरण में प्रवृत्त होने पर हम देवऋ्रष्ा, ऋषि ऋ्रष्ा और पितृऋ्रष्ा से छुटकारा पाते हैं और जीवन मुक्त होकर परम पद पाने के लिए स्वतंत्र हो जाते हैं, यही यज्ञोपवीत तीन तारों में निहित प्रेरणा और शिक्षा है।

संस्कारों के क्रम में यहां पुंसवन, मुंडन और विद्यारंभ संस्कार भी कराए गए। प्रातः काल पर्व पूजन के अंतर्गत यहां सजल श्रद्धा -प्रखर प्रज्ञा का विशेष अभिषेक पूजन हुआ इसके बाद 9 कुण्डीय यज्ञशाला ने 300 से अधिक याजकों द्वारा आहुतियां प्रदान की गईं। यज्ञ का संचालन हरिद्वार से आए अंकित यादव ने किया। इस अवसर पर नगर में शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य के लिए नीलम खत्री, सुनील खत्री, डॉ माधवी वर्मा, दीपिका सोलंकी, बबिता पाराशर, सीमा वशिष्ठ का अभिनंदन जे पी यादव व्यवस्थापक गायत्री शक्तिपीठ ने किया गया। 150 जामुन के पौधे वितरित किए गये। यज्ञ संस्कार के बाद श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी की गई थी।

श्री माधव तैराकी ग्रुप ने किया तैराकी, जिम, योग गुरु का सम्मान

उज्जैन। श्री माधव क्लब में श्री माधव तैराकी ग्रुप द्वारा गुरु पूर्णिमा पर्व पर तैराकी गुरु देवीदास रामचंदनानी गोलुजी, अमित यादव, जिम गुरु चंद्रकांत देवतारे एवं योगगुरु पं बृजमोहन शर्मा का शाल श्रीफल से सम्मान कर गुरूपूर्णिमा पर्व मनाया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक डॉ सुधीर गवारिकर ने कहा कि गुरु का हमारे जीवन मे बहुत महत्व है। गुरु ज्ञान, मार्गदर्शन और सही दिशा प्रदान करते है, वे न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि नैतिक ओर मानसिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। गुरु के बिना जीवन अधूरा और दिशाहीन हो सकता है।

श्री माधव तैराकी के वरिष्ठ सदस्य मांगीलाल बाहेती ने कहा कि गुरुओं की प्रेरणा और शक्ति हमारी शिक्षा का आधार रही है। इस पावन अवसर पर अपनी अनंत कृतज्ञता व्यक्त करते है। वरिष्ठ नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ संदीप चौरसिया ने कहा कि गुरु अज्ञान के अंधकार को दूर करके ज्ञान का प्रकाश फैलाते है, गुरु सही और गलत के बीच का अंतर समझाते है ओर जीवन की चुनोतियो का सामना करने में मदद करते है। समाजसेवी रविप्रकाश लंगर ने कहा कि गुरु हमे अच्छे और बुरे के बीच का अंतर सिखाते है जिससे हम एक बेहतर इंसान बन सके। संचालन करते हुए राकेश दीक्षित ने कहा कि गुरु हमे सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास प्रदान करते है जिससे हम मानसिक रूप जे मजबूत बन सके। गुरु हमे सफ़लता के मार्ग पर ले जाते है और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करते हैं। इस अवसर पर श्री माधव तैराकी ग्रुप के सदस्य वी के गोयल, प्रकाश मोटवानी, अजीत सिंह, डॉ राकेश सोनकर, डॉ नीरज गुप्ता, प्रदीप सोमानी, आनंद अग्रवाल, रितेश धारीवाल, विष्णु गोयल, आनंद गेहलोत, नितिन मीणा, हेमंत मीणा, सुनील कछवाय ने उपस्थित होकर अपने विचार प्रकट किये।

अपंग सेवाश्रम पर किया पौधारोपण

उज्जैन। वरिष्ठ समाजसेवी अपंग सेवाश्रम के सचिव व अ.प्रा.जी. व्यायाम शाला के अध्यक्ष दादा रामचन्द्र सोलपंखी के 94वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में संस्था अपंग सेवाश्रम, महांकाल रोड पर पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर आनंदीलाल जोशी, निर्मल कुमार राय, मुकेश यादव, प्रदीप कुमार बदनोर, ललित सोलपंखी व समस्त आश्रमवासी उपस्थित रहे।

अषाढ पूर्णिमा से वर्षावास प्रारंभ-बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण, वैश्य टेकरी स्तूप पर किया पूजन

उज्जैन। 10 जुलाई अषाढ पूर्णिमा से वर्षावास प्रारंभ होते ही प्रथम दिन उज्जैन बौद्ध सोसाइटी के तत्वावधान में फ्रीगंज के टावर चौक पर स्थित बाबा साहेब डॉ अम्बेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात कानीपुरा स्थित वैश्य टेकरी स्तूप पर पूजा-वन्दना की। शाम के समय फ्रीगंज स्थित सम्राट अशोक बुद्ध विहार पर भगवान बुद्ध के प्रथम धम्म उपदेश धम्म चक्कपवत्तन सुत्त का पाठ किया।

सम्राट अशोक बुद्ध विहार समिति के अध्यक्ष श्री जवादे एवं ज्योति हरदेनियां के आह्वान एवं निमंत्रण पर पूना के भन्ते शीलानन्द महाथेरो अपने शिष्यों सहित तथा ललितपुर के भिक्खु डॉ सुमेध थेरो पहुंचे। कार्यक्रम में डॉ. हरी बाबू कटारिया, आनंद बौद्ध, डॉ शशि अहिरवार, सावित्री कटारिया, हीरालाल अहरवाल, मालविया, टीके चौहान, बनेसिंह बौद्ध, जितेन्द्र धौलपुरे, महामाया, रमेश उन्कले आदि सम्मिलित हुये। श्री जवादे ने सभी का आभार व्यक्त किया। उज्जैन के जिलाधिकारी के माध्यम से डॉ अम्बेडकर फाउण्डेशन दिल्ली से विभिन्न कार्यक्रमों के लिये सरकारी ग्रान्ट का आवेदन आज 11 जुलाई को दिया जायेगा।

माता पिता के चरण पूजन वन्दन कर मनाया जनक-जननी उपासना का पर्व

उज्जैन। सामाजिक संस्था तेरा तुझको अर्पण सेवा संस्थान के माध्यम से गुरू पूर्णिमा के पर्व पर अत्यंत गरिमामय और आत्मियता पूर्ण वातावरण में 32 परिवारों का मातृ-पितृ चरण पूजन एवं वन्दन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

संस्था अध्यक्ष धनन्जय शर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा जनक-जननी उपासना पर्व के अंतर्गत अपने जन्मदाता गुरू माता-पिता अभिभावक का चरण पूजन वन्दन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चरण पूजक कार्यक्रम में परिजनो द्वारा अपने-अपने माता पिता के चरण पूजन वन्दन मे सर्व प्रथम जल-दूध से चरण धुलाकर उसे नेपकीन से पोंछकर, चरणों का कुमकुम, हल्दी, अबीर, गुलाल, चंदन, चांवल, इत्र लगाकर पूजन किया। माता पिता के पैर मे नजर ना लगने हेतु आरोग्यता रूपी काला डोरा बांधकर नमन किया। चरण पूजक परिवार द्वारा चरण पूजन पश्चात माता पिता के मस्तक पर तिलक लगाकर पगडी-दुपट्टा-पुष्पमाला समर्पित कर हाथो में रक्षा सूत्र बांधा। उपस्थित विद्वान पंडितो द्वारा माता पिता के सम्मान में स्वास्तिवाचन कर आरोग्यता रूपी गुरूमत्रो द्वारा पूजन संपन्न कराया। परिजनो ने पुष्प की पंखुडियां माता पिता पर समर्पित कर अर्चन एवं वन्दन किया। अंत में माता पिता की आरती कर उनसे मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में 500 से अधिक आमंत्रितजनो ने सहभागिता की। कार्यकम के गरिमामय स्वरूप एवं आत्मीयता से भरे भाव विभोर ह्दय का साक्षात्कार पाकर चरण पूजक परिवार के माता पिता की आंखो मे प्रसन्नता की पराकाष्ठा के आंसु खुशी के मारे झलक रहे थे। ÷मेरा नाम करेगा रोशन जग मे मेरा राज दुलारा÷ फिल्मी गीत सुनकर उनके ह्दय मे स्पंदन हो रहा था वह गीत गर्व से भरी हुई देव दुर्लभ खुशियां समर्पित कर रहा था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रान्त कार्यवाह रघुवीरसिंह, संघ के विभाग कार्यवाह पारस गेहलोद, समाजसेवी अभय जैन, संस्था अध्यक्ष धनन्जय शर्मा ने देव गुरु बृहस्पति एवं मातृ पितृ भक्त श्रवणकुमार के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कामाख्या तंत्र पीठ आश्रम पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया

उज्जैन। बड़ा पुल स्थित श्री पंच दस नाम जूना अखाड़ा के श्री श्री 1008 जगातगुरु पंचानन्द गिरी महाराज कामाख्या तंत्र पीठ आश्रम पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। आज, भारत और विश्वभर में सनातन धर्म के अनुयायी अत्यंत हर्ष और गर्व के साथ गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व मना रहे हैं। यह दिन गुरुओं के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धा अर्पित करने का अद्वितीय अवसर है, जब शिष्य अपने गुरुओं का पूजन कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। जूना अखाड़ा के कामाख्या पुत्र हिमालय गिरी महाराज ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर समस्त देशवासियों और विश्व में फैले सनातन धर्मावलंबियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि 365 दिनों में एक दिन ऐसा होता है, जो पूर्णतः गुरु को समर्पित होता है। गुरु में स्वयं भगवान नारायण, विष्णु, महादेव और ब्रह्मा तीनों देवों की शक्ति समाहित होती है। जो शिष्य सच्चे ह्दय से गुरु की सेवा करता है, वह जीवन में सफल और होनहार होता है। गुरु पूर्णिमा का कार्यक्रम शुरू करने से पहले आश्रम पर अघोर काली माता की आरती की गई।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com